ADONIX

Pyriproxyfen 5% + Diafenthiuron 25% SE
(For Indigenous Manufacture)
Insecticide

Pyriproxyfen 5% + Diafenthiuron 25% SE is a combination product of two insecticides. It is used for the control of aphid (Aphis gossypii), jassid (Amrasca biguttula biguttula), whitefly (Bemisia tabaci) and Thrips (Thrips tabaci) in cotton crop and for the control of whitefly (Bemisia tabaci) and Thrips (Thrips tabaci), Mites (Polyphagotarsonemus latus) in chilli crop as foliar spray.

Chemical Composition:

Pyriproxyfen a.i.	05.00% w/w
Diafenthiuron a.i.	25.00% w/w
Ethoxylate of octyl phenol	10.00% w/w
Tristrylphenol ethoxylate	02.50% w/w
Polyarylphenyl ether sulphate ammonium salt	02.00% w/w
Ethoxylated Tristrylphenol	02.00% w/w
Napthalenesulfonic acid, Sodium salt condensed with formaldehyde	00.50% w/w
Copolymer butanol EO/PO	01.50% w/w
Silica	00.80% w/w
Glycol	04.00% w/w
Polydimethylsiloxane	00.50% w/w
1,2-benzisothiazol-3-one	00.20% w/w
Poly saccharides	00.20% w/w
Water	Q.S.% w/w
Total	100.00% w/w

Recommendations:

Name of Crop	Common Name of Insect	Dose/ha			Waiting period between last spray to harvest (days)
		A.i (g.)	Formulation (ml)	Water dilution (lit/ha)	
Cotton	Aphid (Aphis gossypii), jassid (Amrasca biguttula biguttula), whitefly (Bemisia tabaci) and Thrips (Thrips tabaci)	50+250-62.5+312.5	1000 to 1250	500	35
Chilli	Whitefly (Bemisia tabaci) Thrips (Thrips tabaci), Mites(Polyphagotarsonemus latus)	37.5+187.5 50+250	750-1000	500	10

Method of application: Foliar spray on pest infestation.

Weather conditions in general: Apply during clear weather conditions and avoid during high wind and rainy days.

Soil and water type: It can be used in all types of soil where crops are grown by diluting in all types of water.

Crop and usage: To control sucking pests of cotton and chilli crops as foliar spray.

Crop stage for application: Vegetative and early reproductive phase of the crops

Application techniques and timings: Spray the insecticide in the direction of wind blowing during early morning or evening hours.

Equipment type: Knapsack sprayer.

Nozzle type: Hollow cone nozzle.

Direction for use: The required quantity of ready-mix formulation Pyriproxyfen 5% + Diafenthiuron 25% SE to be diluted in water and sprayed by using hand operated knapsack sprayer as stated under recommendation.

Instructions for mixing: Mix required quantity of the formulation in water, stir well and spray on the crop uniformly.

Purpose: For agriculture use.

Re-entry period: 24 hrs.

Pre-harvest interval: Cotton – 35 day. **Chilli** – 10 days

Frequency including maximum number of sprays: Depending upon pest(s) incidence repeat application may be done at 15 days interval

Phytotoxicity: Non phytotoxic to crops when used at recommended dosages.

Safety Precautions: 1 Avoid inhalation and contact with skin and eyes. 2) Keep away from children, food stuff, animal feed, heat and flame. Store in cool and dry place under lock and key. 3) Do not mix the insecticides with bare hands. 4) Do not eat, drink, smoke, or chew tobacco while spray. 5) Spray the insecticide only in the direction of wind blowing and not against it to prevent the setting of the drift on body. 6) The user should use full protective clothing with rubber gloves, boots. Face should be covered with face shield or dust mask and body should be covered with an overall or rubber apron and hood or hat. 7) Do not use as an ultra-low volume spray.

Symptoms of poisoning: Prostration, lethargy, piloerection, headache, giddiness, vertigo, nausea, vomiting, blurred vision sweating, excessive lacrimation & salivation, dizziness, weakness, burns of esophagus or gastrointestinal tract.

First Aid measures: If ingestion: If person is conscious and alert, rinse mouth with water and give 1 or 2 glass of water to drink. Never give anything by mouth to an unconscious person. Call the doctor. Do not included vomiting until and unless desire by attending physician. **If inhaled:** Take the patient of fresh air and take care of body temperature. If patient is not breathing or breathing with difficulty. Give artificial respiration, preferably with mouth breathing. Consult a physician. **In the case of skin contact:** Wash with soap and plenty of water. If pain. Redness or irritation persists, consult a doctor. All the contaminated clothes should be segregated and thoroughly washed with soap and separately before use. **In case of eye contact:** Rinse gently with plenty of water at least 15 minuites. If pain, irritation, redness or photophobia persists. Consult eye specialist.

Antidote: No specific antidote is known. Treat symptomatically.

Storage: 1. The packages containing insecticide shall be stored in separate rooms or premises, away from the room or premises used for storing other articles or shall be kept in separate almirahs under lock and depending upon the quantity of nature of insecticide. 2. The room or premises meant for storing the insecticide shall be lit, dry, well ventilated and of sufficient dimension to avoid contamination with vapour.

Disposal of used packages, surplus materials and washings of insecticides containers: 1.It shall be the duty of manufacturers, formulators of insecticides and operators to dispose packages or surplus materials and washing in a safe manner so as to prevent environmental or water pollution. 2. The used packages shall not be left outside to prevent their re-use.3. The packages shall be broken and buried away from habitation. 4. Dangerous to re-use empty containers.

Caution: 1) Not to be used for any purpose other than those subscribed on label and leaflets.2) Destroy the container after use as directed on leaflet.3) Both the molecules are very toxic to aquatic organisms and thus its use in and around water bodies should be avoided.

एडोनिक्स

पायरीप्रोक्सीफेन ५% + डायफेन्थयुरॉन २५%एसइ
(स्वदेशी उत्पाद के लिए)
कीटनाशक

पायरीप्रोक्सीफेन ५% + डायफेन्थयुरॉन २५%एसइ ,दो कीटनाशकों का संयोजन उत्पाद है। इसका उपयोग कपास की फसल पर आनेवाले किट जैसे माहू (एपिस गोस्सिपि), तेला (अमरसका बिगुटुला बिगुटुला), सफेद मक्खी (बेमेसिया टैबेकी), चुरदा (थ्रिप्स टैबेकी) और मिर्ची की फसल पर आनेवाले कीट जैसे सफेद मक्खी (बैमेसिया टैबेकी), चुरदा (थ्रिप्स टैबेकी),घुन (पोलीफागोटार्सोनेमस लाटस) की रोकथाम के लिए छिडकाव करें।

रासायनिक संघटन :

पायरीप्रोक्सीफेन स.त.	०५.००% भा/भा
डायफेन्थयुरॉन स.त.	२५.००% भा/भा
इथोक्सीलेट ऑफ ओकटायल फिनॉल	१०.००% भा/भा
ट्राईस्टीरीलफिनोल इथोक्सीलेट	०२.५०% भा/भा
पोलीएरिफिनोल इथर सल्फेट एमोनियम सोल्ट	०२.००% भा/भा
इथोक्सीलेटेड ट्राईस्टीरीलफिनॉल	०२.००% भा/भा
नेप्थेलीनसल्फोनिक एसिड, सोडियम सोल्ट कन्डेनस्ड् वीथ फोर्मलडिहायड	००.५०% भा/भा
कोपोलिमर ब्युटानोल इओ/पीओ	०१.५०% भा/भा
सिलिका	००.८०% भा/भा
ग्लायकोल	०४.००% भा/भा
पोलिडाइमिथाइलसिलोक्झेन	००.५०% भा/भा
१,२-बेन्झीसोथीएझॉल-३-वन	००.२०% भा/भा
पोली सेक्केराईड्स	००.२०% भा/भा
पानी	पर्याप्त मात्रा
कुल	१००.००% भा/भा

उपयोग:

फसल के नाम	कीट के सामान्य नाम	मात्रा/हेक्टर			फसल काटने व अंतिम छिडकाव के बीच अंतराल (दिन)
		सक्रिय तत्व (ग्राम)	संरचना (लिटर)	पानी की मात्रा ली/हेक्टर	
कपास	माहू(एपिस गोस्सिपि), तेला(अमरसका बिगुटुला पिगुटुला), सफेद मक्खी (बेमेसिया टैबेकी), चुरदा (थ्रिप्स टैबेकी)	५०+२५०-६२.५+३१२.५	१०००-१२५०	५००	३५
मिर्ची	सफेद मक्खी (बैमेसिया टैबेकी) चुरदा(थ्रिप्स टैबेकी) घुन (पोलीफागोटार्सोनेमस लाटस)	३७.५+१८७.५ ५०+२५०	७५०-१०००	५००	१०

उपयोग की विधी: फसल पर कीडों के उभरने पर सीधा स्प्रे करे।

मौसम की स्थिति: साफ मौसम की स्थिति के दौरान आवेदन करें और तेज हवा और बारिश के दिनों में न करें।

मिट्टी और पानी का प्रकार: इसका उपयोग सभी प्रकार की मिट्टी में किया जा सकता है, जहां सभी प्रकार के पानी में घोलकर फसल उगाई जाती है।

फसल और उपयोग: कपास पर आने वाले चूसने वाले कीडों के नियंत्रण के लिए और मिर्च की फसल पर फोलिअर स्प्रे रूप में इस्तेमाल करे।

आवेदन के लिए फसल अवस्था: वनस्पतिक और फसलों का प्रारंभिक प्रजनन चरण।

रीती और अनुप्रयोग का समय: सुबह या शाम के समय हवा बहने की दिशा में ही कीटनाशक का छिडकाव करें।

उपकरण तकनीक: नेपसेक छिंडकांव यंत्र।

नोजल प्रकार: होलो कोन नोझल।

स्प्रे मिश्रण की तैयारी: पायरीप्रोक्सीफेन ५%+ डायफेन्थयुरॉन २५% की तैयार संरचना की अपेक्षित मात्रा लेकर पानी में मिलाइये और सिफारश के तहत बताए गए छिंडकांव मात्रा के अनुसार हस्तचलित छिंडकांव यंत्र से छिंडकांव करें।

मिश्रण करने के निर्देश: पानी में आवश्यक मात्रा में मिश्रण मिलाएं, अच्छी तरह से हिलाएं और समान रूप से फसल पर स्प्रे करें।

उद्देश्य: कृषि उपयोग के लिए।

पुन: प्रवेश अवधि: छिडकाव के २४ घंटे बाद।

पीएचआय: कपास – ३५ दिन, **मिर्च** – १० दिन।

आवृत्ति स्प्रे की अधिकतम संख्या सहित: कीटों के प्रकोप के आधार पर, १५ दिनों के अंतराल पर पुनरावृत्ति की जा सकती है।

पौधों के लिये विषाक्तता: अनुशंसित फलीभूत अवस्था में उपयोग किए जाने पर फसलों के लिए गैर-विषाक्त।

प्रयोगकर्ताओ के लिए सावधानियां: १) इनहेलेशन और त्वचा और आंखों के संपर्क से बचें। २) बच्चों, खाद्य सामग्री, पशु चारा, गर्मी और लौ से दूर रखें। ताला और चाबी के नीचे ठंडी और सूखी जगह पर स्टोर करें। ३) कीटनाशकों को नंगे हाथों से न मिलाएं।४) छिड़काव करते समय खाना पीना, धूम्रपान करना एवं तम्बाखू चुगलना वर्जित है। ५) कीटनाशक का छिड़काव केवल हवा बहने की दिशा में करें और इसके खिलाफ न करें ताकि शरीर पर बहाव को रोका जा सके। ६) उपयोगकर्ता को रबर के दस्ताने, जूते के साथ पूर्ण सुरक्षात्मक कपड़े का उपयोग करना चाहिए। चेहरे को ढाल या धूल मास्क से ढंकना चाहिए और शरीर को समग्र या रबर एप्रन और हुड या टोपी के साथ कवर किया जाना चाहिए। ७) अल्ट्रा-लो वॉल्यूम स्प्रे के रूप में उपयोग न करें।

विषबाधा के लक्षण: उदासीनता, सुस्ती, पीलोइरेकशन, सिर दर्द, चक्कर, सिर चकराना, जी मचलना, उल्टी, धुंधली द्रष्टि, पसीना, अत्याधिक लेकीमेशन और लार बहना, कमजोरी, अन्न प्रणाली और जठरांत्र सबंधी मार्ग में जलन हो सकती है।

प्रथमोपचार: यदि निगल जाये तो: यदि व्यक्ति सचेत और सतर्क है, तो पानी से मुंह कुल्ला करें और पीने के लिए १ या २ गिलास पानी दें। एक बेहोश व्यक्ति को मुंह से कुछ भी कभी नहीं दे। डॉक्टर को बुलाएं। जब तक उपस्थित चिकित्सक द्वारा उल्टी और जब तक इच्छा न हो, उल्टी न करायें। **यदि साँस लेना:** ताजी हवा के रोगी को लें और शरीर के तापमान का ध्यान रखें। यदि रोगी साँस नहीं ले रहा है या कठिनाई से साँस ले रहा है, तो कृत्रिम सांस दें, अधिमानतः मुँह से साँस लेना। एक चिकित्सक से परामर्श करें। **त्वचा के संपर्क के मामले में:** साबुन और बहुत सरे पानी से धोएं। अगर दर्द हो। लाली या जलन बनी रहती है, डॉक्टर से परामर्श करें। सभी दृषित कपड़ों को अलग किया जाना चाहिए और उपयोग करने से पहले साबुन से अच्छी तरह से धोना चाहिए। **आंखों के संपर्क के मामले में:** कम से कम १५ मिनट के लिए बहुत सारे पानी से धीरे से कुल्ला। यदि दर्द, जलन, लालिमा या फोटोफोबिया बनी रहती है। नेत्र रोग विशेषज्ञ से सलाह लें।

विषनाशक : कोई विशेष उपचार नहीं है। लक्षणानुसार इलाज करें।

संचय: १) कीटनाशक कें डिब्बों को अलग कमरे या जगह मे रखिये तथा अन्य खाद्य पदार्थ रखने वाली जगह से दूर रखिए तथा कीटनाशक की स्वभाव और परिमाण की आधारित से अलग अलमारी में ताला बन्द करके रखना चाहिये। २) कीटनाशक रखने वाला कमस या जगह सूखी मजबुत बना हुआ, रोशनदार, प्रकाशयुक्त तथा बडे आकार वाली होनी चाहिये ताकि बाष्प से दूषित न रहे।

उपयोग किए गए पैकेज, अधिशेष सामग्री और कीटनाशक कंटेनरों की धुलाई का निपटारा: १) यह कीटनाशक निर्माता तथा उपयोगकर्ता का कर्तव्य है कि वह डिब्बों/पैकेजस या बची हुई कीटनाशक तथा साधनों के धोवन का निपटारा सुरक्षित ढंग से करें जिससे वातावरण या पानी प्रदूषित न हो। २) उपयोग किए गए डिब्बों/पैकेजस को बाहर न फेंके जिससे उनका दुबारा प्रयोग न हो। ३) उपयोग किए गए डिब्बों / पैकैजस को तोड़कर आबादी से दूर जमीन में गाड़ दें। ४) खाली कंटेनरों का फिर से उपयोग करने के लिए खतरनाक।

सावधानियाँ कथन: १) लेबल और पर्ची पर जो अभिदत्त है, उससे भिन्न अन्य प्रयोजन में उपयोग के लिए नही। २) पर्ची के निर्देशानुसार उपयोग के पश्चात डिब्बों को नष्ट करें। ३) दोनों अणु जलीय जीवों के लिए बहुत जहरीले होते हैं और इसलिए जल निकायों में और आसपास इसका उपयोग मत करें।

एडोनिक्स

पायरिप्रॉक्सीफेन ५% + डायफेन्थीयुरॉन २५% एस ई
(स्वदेशी निर्माणा साठी)
कीटकनाशक

पायरिप्रॉक्सीफेन ५%+डायफेन्थीयुरॉन २५% एस ई हे दोन कीटकनाशकांचे एकत्रित उत्पादन आहे जे कपाशी मधिल पांढरी माशी (बीमिसीया टबाकी),फुलकिडे (फुलकिडे टबाकी),तुडतुडे (अमरासका बीगुटुला बीगुटुला)(मावा गॅसीप्पी) मिर्ची पांढरी माशी (बीमिसीया टबाकी),फुलकिडे (फुलकिडे टबाकी), कोळी (पॉलीफॅगोटारसोनेमस लॅटस) साठी पर्णिय फवारणी.

रासायनिक संरचना:

पायरिप्रॉक्सीफेन स.त	: ०५.००%व/व
डायफेन्थीयुरॉन स.त.	: २५.००%व/व
इथॉक्सीलेट ऑफ ऑक्टेल फिनॉल	: १०.००%व/व
ट्रिस्टरायलफिनॉल इथॉक्सिलेट	: ०२.५०%व/व
पॉलीअरायल फिनायल इथर सल्फेट अमोनियम सॉल्ट	: ०२.००%व/व
इथॉक्लिटेड ट्रिस्टरायलाफिनॉल	: ०२.००%व/व
नेप्थालिनीसल्फोनिक ॲसिड सोडीयम सॉल्ट कन्डनसेटेड विथ फॉर्मलडीहाइड	: ००.५०%व/व
कोपोलिमर ब्यूटानॉल ईओ/ पीओ	: ०१.५०%व/व
सिलीका	: ००.८०%व/व
ग्लाइकोल	: ०४.००%व/व
पोलीडीमिथाइलसिलोक्सेन	: ००.५०%व/व
१,२-बेन्झीसोथियाझोल-३-वन	: ००.२०%व/व
पोली सेक्केरीडीस	: ००.२०%व/व
पाणी	: क्यू.एस.
एकूण	: १००.००%व/व

शिफारस :

पीक	किडीचे सामान्य नाम	प्रति हेक्टर डोस			अंतिम फवारणी ते कापणीपर्यंतचा प्रतिक्षा कालावधी (दिवसांमध्ये)
		ए.आय (ग्रॅम)	द्रवण (मिली)	पाण्यात विरघळवणे (लि.)	
कपाशी	पांढरी माशी (बीमिसीया टबाकी), फुलकिडे (फुलकिडे टबाकी), तुडतुडे (अमरासका बीगुटुला बीटुटुला) आणि मावा (मावा गॉसीप्पी)	२५० + ५० ३१२.५ + ६२.५	१००० – १२५०	५००	३५
मिर्ची	पांढरी माशी (बीमिसीया टबाकी),फुलकिडे (फुलकिडे टबाकी)कोळी (पॉलीफॅगोटारसोनेमस लॅटस)	२५०+५०- ५०+२५०	७५०- १०००	५००	१०

फवारणी करण्याची पध्दत: कीटकांच्या प्रादुर्भावावर पर्णिय फवारणी.

सर्वसाधारणपणे हवामान परिस्थिती: स्वच्छ हवामानात फवारणी करा, सोसाट्याच्या वारा आणि पावसाळयाच्या दिवसात परिस्थिती टाळा.

माती आणि पाण्याचे प्रकार: हे सर्व प्रकारच्या मातीमध्ये वापरले जावू शकते सर्व प्रकारच्या पाण्यात मुरवून पिके घेतली जातात.

पीक आणि वापर: कापूस आणि मिरचीच्या पिकातील शोषक कीटकांच्या नियंत्रणासाठी पर्णिय फवारणी म्हणून.

प्रयोग करण्यासाठी पीकाची अवस्था: वनस्पतिजन्य/ लवकर पुनरुत्पादक.

वापरण्याचे टेकनीक आणि वेळ: पहाटे किंवा संध्याकाळच्या वेळी वारा वाहण्याच्या दिशेने कीटकनाशकाची फवारणी करा.

उपकरणांचा प्रकार: नॅपसॅक स्प्रेयर.

नोझल प्रकार: हॉलोकोन नोझल.

वापरासाठी निर्देश: रेडी-मिक्स फॉर्म्युलेशनची आवश्यक मात्रा पायरिप्रोक्सीफेन ५%+ डायफेनथियुरॉन २५% एसई पाण्यात पातळ करून शिफारसीनुसार हाताने चालवण्याच्या नॅपसॅक स्प्रेअरचा वापर करून फवारणी करावी.

मिसळण्यासाठी सुचना: आवश्यक प्रमाणात फर्म्युलेशन पाण्यात मिसळा, नीट ढवळून घ्या आणि पिकावर एकसमान फवारणी करा.

फवारणी करण्याची पध्दत आणि वेळ: कीटकांच्या प्रादुर्भावावर पर्णिय फवारणी.

हेतू: कृषि वापरा साठी.

पुन: प्रवेश कालावधी: २४ तास.

कापणी पूर्व अंतराल: कपास ३५ दिवस. मिर्ची १० दिवस

जास्तीत जास्त फवारण्यांसह वारंवारता: कीटकांच्या प्रादुर्भावावर अवलंबून १५ दिवसांच्या अंतराने पुनरावृत्ती केली जावू शकते.

रोपविषकारकता: शिफारस केलेल्या प्रमाणात वापरल्यास पिकांसाठी रोपविषकारक नसतात.

खबरदारी : १. श्वासाद्वारे आत घेवू नका त्वचा आणि डोळ्यांशी संपर्क होवू देवू नका. २. मुलं पासून दूर, अन्नपदार्थ, जनावरांचा चारा, उष्णता आणि ज्वाळे पासून दूर ठेवा. साठवण थंड आणि कोरड्या जागी कुलूप अणि चावीत करावी ३. उघड्या हातने कीटकनाशकाचे मिश्रण करू नये. ४. फवारणी करताना काहीही खावू, पीवू, धुम्रपान वा तंबाखू चजळू नये. ५. वारा वाहत असलेल्या दिशेनेच किटकनाशकाची फवारणी करावी आणि त्याच्या विरूध्द दिशेने नाही म्हणजेच फवारणीचे कण शरीरावर पडणार नाहीत. ६. वापरादाने संपूर्ण सुरक्षित कपडे वापरावेत जे आहेत रबरी हातमोजे बूट चेहरा ओव्हरऑल ने झाकावा वा रबरी अँप्रन आणि हडू वा टोपी घालावी. ७. ह्याला अल्ट्रा लो वाल्यूम स्प्रे प्रमाणे फवारू नये.

विषबाधेची लक्षण: ससमत्व, सुस्ती पायलोएक्शन, डोके दुखणे, चक्कर,भोवळ येणे, मळमळ, उल्टे, अंधुक दिसणे, घाम सुटणे, अत्याधिक लॅक्रीमेशन आणि प्रणाली मधे जळजळ होवू शकते.

प्रथमोपचार: जर गिळले गेल्यास: व्यक्ती शुध्दीवर असेल तर,पाण्याने तोंड स्वच्छ धुवा आणि १ किंवा २ ग्लास पाणी पिण्यास दया.व्यक्ती जर बेशुध्द असेल तर तोंडाद्वारे काहीही देवू नये. डॉक्टरला बोलवा.जोपर्यंत उपस्थित चिकित्सका द्वारे उल्टी करण्यास सांगितले जात नाही तो पर्यंत उल्टी करू नये. जर श्वासाद्वारे आत गेल्यास: रूग्णास मोकळ्या हवेत आणा आणि शरीर तापमानावर लक्ष ठेवा. जर रूग्ण श्वास घेत नसेल वा श्वास घेण्यास त्रास होत असेल तर कृत्रिम श्वसन द्या, शक्यतो तोंडाने तोंडस श्वासोच्छवास दया. चिकित्सकाचा सल्ला घ्या . जर त्वचेशी संपर्क आल्यास: शरीराशी संपर्क आलेला भाग साबण व भरपूर पाण्याने धुवा, यासह केस व नखे देखील धुवा, जर वेदना, लालसरपणा किंवा जळजळ कायम राहील्यास डॉक्टरचा सल्ला घ्या सर्व दूषित झालेले कपडे वेगवेगळे आणि वापर करण्यापूर्वी व्यवस्थित पणे साबण व पाण्याने वेगळे धुतले पाहिजेत. जर डोळयांशी संपर्क झाल्यास: तर डोळे भरपूर पाण्याने जवळ-जवळ १५ मिनिटे स्वच्छ धुवा, जर वेदना, जळजळ सहन होत नसेल लालसर पणा व प्रकाश अतिवेदन होत असेल तर नेत्र चिकित्सकाचा सल्ला घ्या.

साठवण : १) कीटकनाशकची पॅकेजिस वेगळ्या खोलीत वा जागेत इतर समान साठवणीच्या जागेपासून दूर तणनाशकाचे प्रमाण आणि प्रकारानुसार वेगळ्या कपाटात कडीकुलपात ठेवावे. २) कीटकनाशक साठवण करण्याची खोली वा जागा मजबूत बांधणीची, कोरडी, भरपूर उजेडाची व हवेशीर आणि पूरेशी लांबरूंद असावी जेणे करून पर्यावरणाशी वाफेने होणारे प्रदुषण टळेल.

वापरलेली पॅकेजिस इतर साहीत्य आणि कीटकनाशक पाण्याची विल्हेवाट : १) निर्माता, तणनाशक फॉम्यूलेटर्स आणि ऑपरेटर्सनी रिकामी पॅकेजिस वा इतर साहित्य आणि धुण्याचे पाणी ह्यांची विल्हेवाट अशा पद्धतीने लावावी जेणेकरून पर्यावरण वा पाणी दूषित होणार नाही. २) वापरलेली पॅकेजिसचा पूर्नवापर होवू नये म्हणून उघड्यावर टाकू नयेत ३)रिकामी पॅकेजिस मोडून-तोडून मनुष्यवस्तीपासून दूर पुरावित.

खबरदारीचे निवेदन: १. लेबल व लिफलेट वर सांगितलेल्या शिवाय अन्य कोणत्याही हेतूसाठी वापरले जावू नये. २. वापरा नंतर डब्याला लिफलेट मधिल निर्देशानुसार नष्ट करा.३. दोन्ही रेणू जलीय जीवांसाठी अत्यंत विषारी आहेत आणि त्यामुळे त्याचा वापर पाण्याच्या ठिकाणी आणि त्याच्या आजूबाजूला टाळावा.

એડોનિક્સ

પાયરિપ્રોક્સીફેન ૫% + ડાયફેન્થિયુરોન ૨૫% એસ ઈ
(સવદેશી ઉત્પાદ ન હેતુ)
જંતુનાશક

પાયરિપ્રોક્સીફેન ૫%+ ડાયફેન્થિયુરોન ૨૫% એસઈ એ બે જંતુનાશકોનું સંયોજન ઉત્પાદન છે જે કપાસમાં સફેદ માખી (બેમિસિઆ ટેબેસિ), થ્રિપ્સ (થ્રિપ્સ ટેબેસિ), તડતડિયાં (એમ્રાસ્કા બાઈગ્યુટુલા બાઈટયુટુલા) મલોમશી (એફિસ ગોસીપી) આને મિરચાં સફેદ માખી (બેમિસિઆ ટેબેસિ), થ્રિપ્સ (થ્રિપ્સ ટેબેસિ)કથીરી (પોલિફેગોટારસોનેમસ લેટસ)ના નિયંત્રણ માટે પર્ણચ્છાદન છંટકાવ તરીકે.

રાસાયણિક રચના:

પાયરિપ્રોક્સિફેન સ.ઘ.	: ૦૫.૦૦% વ/વ
ડાયાફેન્થિયુરોન સ.ઘ.	: ૨૫.૦૦% વ/વ
ઓક્ટાઈલ ફેનોલન એનોક્સીલેટ	: ૧૦% વ/વ
ટ્રાયસ્ટાયરીલફેનોલ એથોક્સીલેટ	: ૦૨.૫૦% વ/વ
પોલીએરીલફીનાઈલ ઈથર સલ્ફેટ એમોનિયમ ક્ષાર	: ૦૨.૦૦% વ/વ
એથોક્સીલેટેડ ટ્રાયસ્ટાયરીલફેનોલ	: ૦૨.૦૦% વ/વ
નેપ્થાલીનીસલ્ફ્યુનિક એસિડ, ફોર્મલડીહાઈડ સાથે ઘનીભૂત સોડિયમ ક્ષાર	: ૦૦.૫૦% વ/વ
કોપોલીમર બ્યુટેનોલ ઈઓ/પીઓ	: ૦૧.૫૦% વ/વ
સિલિકા	: ૦૦.૮૦% વ/વ
ગ્લાયકોલ	: ૦૪.૦૦% વ/વ
પોલીડાયમિથાઈલ સિલોક્ઝેન	: ૦૦.૫૦% વ/વ
૧,૨-બેન્ઝિસોથાયાઝોલ-૩-એક	: ૦૦.૨૦% વ/વ
પોલીસેકેરાઈડ્સ	: ૦૦.૨૦% વ/વ
પાણી	: આવશ્યકતાનુસાર
કુલ	: ૧૦૦.૦૦% વ/વ

ભલામણો :

પાક	કીટનું સામાન્ય નામ	હૅક્ટર દીઠ માત્રા			છેલ્લા છંટકાવથી લણણી વચ્ચેનો અંતરળ (દિવસોમાં)
		સ.ઘ. (ગ્રામ)	સંયોજન (મિલી.)	પાણીમાં હૅક્ટર (લી.)	
કપાસ	સફેદ માખી (બેમિસિઆ ટેબેસિ), થ્રિપ્સ (થ્રિપ્સ ટેબેસિ), તડતડિયાં (એમ્રાસ્કા બાઈગ્યુટુલા બાઈટ્યુટુલા), અને મલોમશી (એફિસ ગોસીપી)	૨૫૦+૫૦ ૩૧૨.૫+ ૬૨.૫	૧૦૦૦- ૧૨૫૦	૫૦૦	૩૫
મિરચાં	સફેદ માખી(બેમિસિઆ ટેબેસિ), થ્રિપ્સ (થ્રિપ્સ ટેબેસિ) કથીરી (પોલિફેગોટારસોનેમસ લેટસ)	૨૫૦+૫૦- ૫૦+૨૫૦	૭૫૦- ૧૦૦૦	૫૦૦	૧૦

છંટકાવની પદ્ધતિઃ જંતુના ચેપ પર પર્ણીય છંટકાવ

સામાન્ય રીતે હવામાનની સ્થિતિઃ સાફ હવામાનની સ્થિતિ દરમિયાન છંટકાવ કરો અને ભારે પવન તથા વરસાદી દિવસોમાં છંટકાવ ટાળો.

માટી અને પાણીનો પ્રકારઃ પાણીના બધા પ્રકાર ઉમેરીને જ્યાં પાક ઉગાડવામાં આવે તે માટીના બધા પ્રકારમાં ઉપયોગ કરી શકાય છે.

પાક અને ઉપયોગઃ કપાસ અને મરચાના પાકમાં ચૂસિયા જંતુઓને કાબૂમાં લેવા માટે પર્ણીય છંટકાવ તરીકે ઉપયોગ કરવો.

પાક અને ઉપયોગઃ વનસ્પતિ /વહેલી પુનરુત્પત્તિ

છંટકાવની ટેક્નિક અને સમયઃ વહેલી સવારે અથવા સાંજના સમયે વહેતા પવનની દિશામાં જંતુનાશકનો છંટકાવ કરો.

ઉપકરણનો પ્રકારઃ નેપસેક સ્પ્રેયર

નોઝલનો પ્રકારઃ હોલો કોન નોઝલ

ઉપયોગ માટે નિર્દેશઃ આવશ્યક માત્રામાં રેડી-મિક્સ રચના પાયરિપ્રોક્સિફેન ૫%+ ડાયફેન્થિયુરોન ૨૫% એસઈ પાણીમાં ઉમેરવામાં આવશે અને ભલામણ હેઠળ નોંધ અનુસાર હસ્ત સંચાલિત નેપસેક સ્પ્રેયરથી છંટકાવ કરવામાં આવશે.

મિશ્રણ માટે સૂચનાઃ પાણીમાં રચનાની આવશ્યક માત્રા મિશ્રણ કરો, બરોબર હલાવો અને પાક પર એકસમાન છંટકાવ કરો.

છંટકાવની રીત અને સમયઃ જંતુઓના ચેપ પર પર્ણીય છંટકાવ છંટકાવની મહત્તમ સંખ્યા

હેતુઃ કૃષિ હેતુ માટે.

પુનઃ પ્રવેશ અવધિઃ ૨૪ કલાક.

લણણી-પૂર્વ અંતરઃ કપાસ- ૩૫ દિવસ. મિરચાં-૧૦ દિવસ

છંટકાવની મહત્તમ સંખ્યા સહિત સાતત્યતાઃ જંતુ(ઓ)ની ઘટનાને આધારે ફરીથી છંટકાવ ૧૫ દિવસના અંતરે કરી શકાય છે.

ઝેરીપણુંઃ ભલામણ કરેલી માત્રામાં ઉપયોગ કરાય ત્યારે પાક માટે બિન-ઝેરી.

સાવચેતીઓઃ ૧. શ્વાસમાં લેવાનું અને ત્વચા સાથે સંસર્ગ ટાળો. ૨. બાળકો, ખાદ્યપદાર્થો, પશુઆહારો તથા ગરમી અને જ્યોતથી દૂર રાખો. ઠંડી અને ભેજરહિત જગ્યાએ બંધ કરીને રાખવી. ૩. ખુલ્લા હાથો વડે જંતુનાશકનું મિશ્રણ કરશો નહીં. ૪. છંટકાવ કરતી વખતે ખાવું, પીવું, ધુમ્રપાન કે તમાકું ચાવવી નહી. ૫. પવનની દિશામાં છંટકાવ કરવો. અને તેની વિરુદ્ધ દિશામાં સંપૂર્ણપણે રક્ષણાત્મક કપડાનો ઉપયોગ કરવો. ૬. વપરાશકર્તાઓએ રબરનાં મોજા અને બૂટ સાથે સંપૂર્ણ રક્ષણાત્મક કપડાંનો ઉપયોગ કરવો જોઈએ. ચહેરો અને મોઢાંના ભાગ અથવા ડસ્ટ માસ્ક સાથે ઢાંકવો જોઈએ. ૭. શરીરને સંપૂર્ણપણે રબર એપ્રોન હૂડ અને ટોપી સાથે ઢાંકવા જોઈએ. ૮. અતિ ઓછા પાણીની માત્રામાં છંટકાવ તરીકે ઉપયોગ કરવો નહિ.

ઝેરની અસરનાં લક્ષણો : નબળાઈ, શિથિલતા, પાયલોઈરેક્શન, માથાનો દુખાવો, તમ્મર આવવી, ચક્કર આવવા, ઊબકા, ઊલટી, દષ્ટિમાં ઝાંખપ, પરસેવો વળવો, અતિશય અશ્રુપ્રવાહ અને લાળ પડવી, અસ્થિરતા, નબળાઈ, અન્નનળીમાં અથવા જઠરાંત્રિય માર્ગમાં બળતરા.

પ્રાથમિક સારવાર : જો ગળી જવાયું હોય તો : વ્યક્તિ ભાનમાં હોય અને સતર્ક હોય તો, પાણી વડે મોઢું ધૂઓ અને ૧ અથવા બે ગ્લાસ પાણી પાણી પીવા આપો. બેશુધ વ્યક્તિને ક્યારેય કંઈપણ મોં વાટે ન આપવું. ડૉક્ટરનો બોલાવો. સારવાર આપનારા ડૉક્ટરની ઈચ્છા ન હોય ત્યાં સુધી ઊલટી કરાવવા પ્રયાસ ન કરવો. જો શ્વાસમાં આવ્યું હોય તો : દરદીને તાજી હવામાં ખસેડવો અને તેના શરીરના ઉષ્ણતામાનનું ધ્યાન રાખવું. જો દરદી શ્વાસ ન લેતો હોય અથવા શ્વાસોચ્છવાસ મુશ્કેલીપૂર્વક થતો હોય તો, કૃત્રિમ રીતે શ્વાસોચ્છવાસ આપવો. ચિકિત્સકની સલાહ લેવી. જો ત્વચાને સ્પર્શ્યું હોય તો : શરીરના અસરગ્રસ્ત અંગોને, વાળ તથા આંગળીઓના નખની નીચે સહિત, સાબુ અને પુષ્કળ પાણી વડે સાફ કરો. લાલાશ અથવા બળતરા ચાલુ રહે તો, ડૉક્ટરની સલાહ લેવી. બધાં દૂષિત વસ્ત્રો અલગ પાડવાં અને ઉપયોગમાં લેતાં પહેલાં અલગથી સાબુ અને પાણી વડે સારી રીતે ધોવાં. જો આંખોમાં પડ્યું હોય તો : પુષ્કળ પ્રમાણમાં પાણી વડે ઓછામાં ઓછી ૧૫ મિનિટ માટે આંખોને હળવાશપૂર્વક ધોવી. જો પીડા, બળતરા, લાલાશ અથવા ફોટોફોબિયા ચાલુ રહે તો, સ્પેશિયાલિસ્ટની સલાહ લેવી.

ઝેરનું મારણઃ કોઈ ચોક્કસ મારણ જાણીતું નથી. લક્ષણો અનુસાર સારવાર આપો.

સંગ્રહઃ ૧. જંતુનાશકો ધરાવતું પૅકેજ બીજી ચીજવસ્તુઓ સંગ્રહવા માટે વપરાતાં ઓરડા અથવા જગ્યાથી દૂર અલગ ઓરડા અથવા જગ્યામાં સંગ્રહવું અથવા નીંદણનાશકના જથ્થા અને પ્રકાર ઉપર આધારિત અલગ કબાટોમાં તાળાં-ચાવીમાં બંધ કરીને રાખવું. ૨. જંતુનાશકના સંગ્રહ માટેનાં ઓરડા અથવા જગ્યા સારી બાંધણીનાં. સૂકાં, સારો પ્રકાશ ધરાવતાં અને હવાદાર તથા પૂરતી મોકળાશવાળાં હોવાં જોઈએ જેથી નીંદણનાશકની વરાળથી પર્યાવરણીય પ્રદૂષણ થતું અટકાવી શકાય.

જંતુનાશકનાં વપરાયેલાં પૅકેજીસ, વધારાની સામગ્રી તથા ધોવાણોનો નિકાલઃ ૧) ઉત્પાદનના ઉત્પાદકો, તૈયાર કરનારાઓ અને સંચાલકોની એ જવાબદારી રહેશે કે પૅકેજીસ અથવા વધારાની સામગ્રી અને મશીનમાંથી ધોવાણ તથા પાત્રોનો એવી સલામત રીતમાં નિકાલ કરવામાં આવે જેથી પર્યાવરણનું તથા જળ પ્રદુષણ થતું અટકે. ૨) વપરાયેલાં પૅકેજીસ તેમનો ફરીથી ઉપયોગ થતો અટકે તે માટે બહાર છોડવાં નહીં. ૩) પૅકેજીસ ભાંગી નાંખવાં અને વસતીથી દૂર જમીનમાં દાટી દેવાં.

સાવચેતી કથનઃ ૧. લેબલ અને પરિપત્ર ઉપર વર્ણિત હેતુઓ સિવાય અન્ય કોઈ પ્રકારે ન વાપરવું. ૨. આ પરિપત્ર પર દર્શાવ્યા મુજબ કન્ટેનરોને તોડી નાખવાં જોઈએ. ૩) બંને મોલેક્યુલ્સ સમુદ્રિ જીવો માટે અત્યંત ઝેરી છે અને તેથી પાણીની નહેરોની આસપાસમાં ઉપયોગ ટાળવો જોઈએ.

AgroStar®

READ ENCLOSED LEAFLET BEFORE USE.
प्रयोग से पहले पूरी पत्रिका ध्यानपूर्वक पढ़े।

Shake the bottle well before use.
इस्तेमाल से पहले बोतल को अच्छी तरह हिलायें।

ADONIX

Pyriproxyfen 5% + Diafenthiuron 25% SE
(For Indigenous Manufacture)
Insecticide

एडोनिक्स

पायरीप्रोक्सीफेन ५% + डायफेन्थयुरॉन २५%एसइ
(स्वदेशी उत्पाद के लिए)
कीटनाशक

એડોનિક્સ

પાયરિપ્રોક્સીફેન ૫% + ડાયફેન્થિયુરોન ૨૫% એસ ઈ
(સવદેશી ઉત્પાદ ન હેતુ)
જંતુનાશક

Marketed by:
Ulink Agritech Private Limited,
Regd. Office:
106 (B&C), 6th Floor,
E-Space IT Park,
A1 Building, 46/1 Nagar Road,
Pune (MH) – 411014.

विपणनकर्ता:
यूलिंक एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड,
पंजीकृत कार्यालय:
106 (बी एंड सी), छठी मंजिल,
ई-स्पेस आईटी पार्क,
ए 1 बिल्डिंग, 46/1, नगर रोड,
पुणे (महाराष्ट्र) - 411014.

Visit your nearest AgroStar Laal Dukaan | Scan to download the AgroStar app | For customer feedback contact us: info@agrostar.in 9503095030 or customer service team at the above address

Manufactured by: GSP Crop Science Pvt.Ltd.,
Regd. Office : 404, Lalita Complex, 352/3 Rasala Road,Navrangpura, Ahmedabad- 380 009, Gujarat.
Factory : 551, phase-II, G.I.D.C. Estate, Kathwada, Opp. Odhav Octroi naka, Ahmedabad-382430. Gujarat.

निर्माता : जी.एस.पी. क्रॉप सायन्स प्रा. लि.,
रजि ऑफिस : ४०४, ललिता कॉम्पलेक्स, ३५२/३ रसाला रोड, नवरंगपूरा, अहमदाबाद – ३८० ००९, गुजरात।
फेक्टरी : ५५१, फेज-२, जी.आई.डी.सी. एस्टेट, कठवाडा, ओढव ऑक्ट्रोय नाका, अहमदाबाद- ३८२४३०, गुजरात।

ઉત્પાદક : જીએસપી ક્રોપ સાયન્સ પ્રા. લિ.,
રજિ.ઓફિસ:૪૦૪,લલિતા કોમ્પલેક્સ, ૩૫૨/૩, રસાલા રોડ, નવરંગપુરા, અમદાવાદ – ૩૮૦ ૦૦૯, ગુજરાત.
ફેક્ટરી : ૫૫૧, ફેઝ-II, જી.આઈ.ડી.સી. એસ્ટેટ, કઠવાડા, ઓઢવ ઑક્ટ્રોય નાકા સામે, અમદાવાદ-૩૮૨૪૩૦, ગુજરાત.

THREE SIXTY eXtreme SOLUTIONS

Client : - GSP Crop Science Pvt.Ltd	Job Name : Adonix DFU_CC_Front
Size: 275 X 375 mm	Job No: LEF230302
Date: 07-06-2023 Rev: 00	Old Job No:
Colour: ● Black	
History:	Remark:

ਐਡੋਨਿਕਸ

ਪਾਈਰੀਪ੍ਰਾਕਸੀਫ਼ੇਨ ੫% + ਡਾਯਾਫ਼ਨਥੀਯੂਰੋਨ ੨੫% ਐਸ ਈ

(ਸੁਦੇਸ਼ੀ ਨਿਰਮਾਣ ਲਈ)

ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ

ਪਾਈਰੀਪ੍ਰਾਕਸੀਫ਼ੇਨ ੫%+ਡਾਯਾਫ਼ਨਥੀਯੂਰੋਨ ੨੫% ਐਸਈ ਦੋ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦਾ ਸੁਮੇਲ ਉਤਪਾਦ ਹੈ। ਕਪਾਹ ਵਿੱਚ ਅਨੁਸਾਰ ਪੱਤੀ ਛਿੜਕਾਅ ਵਜੋਂ ਇਹ ਉਤਪਾਦ ਚਿੱਟੀ ਮੱਖੀ(ਬੇਮੀਸੀਆ ਓਬਾਕੀ),ਪੱਤਾ ਜੂੰ(ਥ੍ਰਿਪਸ ਓਬਾਕੀ),ਤੇਲਾ(ਅਮਰਾਸਕਾ ਬੀਗੂਟੂਲਾ ਬੀਗੂਟੂਲਾ) ਚੇਪੇ(ਏਫ਼ਿਸ ਗੌਸੀਪੀ) ਅਤੇ ਮਿਰਚਾਂ ਚਿੱਟੀ ਮੱਖੀ (ਬੇਮੀਸੀਆ ਓਬਾਕੀ),ਪੱਤਾ ਜੂੰ(ਥ੍ਰਿਪਸ ਓਬਾਕੀ),ਮਾਈਟ (ਪੌਲੀਫਾਗੋਟਾਰਸੋਨੇਮਸ ਲੈਟਸ)ਉੱਤੇ ਅਸਰਦਾਰ ਕਾਬੂ ਪਾਉਂਦਾ ਹੈ।

ਰਸਾਇਣਕ ਮਿਸ਼ਰਨ:

ਪਾਈਰੀਪ੍ਰਾਕਸੀਫ਼ੇਨ.	:	੦੫.੦੦% ਵ/ਵ
ਡਾਇਆਫ਼ੇਨਥੀਯੂਰੋਨ ਕਿ.ਤ.	:	੨੫.੦੦% ਵ/ਵ
ਈਥਾਕਸੀਲੇਟ ਆਫ਼ ਆਕਟੀਲ ਫ਼ੀਨੋਲ:	:	੧੦.੦੦% ਵ/ਵ
ਟ੍ਰਾਈਸਟਾਰੀਲਫ਼ੀਨੋਲ ਈਥਾਕਸੀਲੇਟ	:	੦੨.੫੦% ਵ/ਵ
ਪੌਲੀਅਰਾਈਲਫ਼ੇਨੀ ਈਥਰ ਸਲਫ਼ੇਟ ਅਮੋਨੀਅਮ ਸਾਲਟ	:	੦੨.੦੦% ਵ/ਵ
ਈਥਾਕਸੀਲੇਟਡ ਟ੍ਰਾਈਸਟਾਈਰੀਲਫ਼ੀਨੋਲ	:	੦੨.੦੦% ਵ/ਵ
ਨਾਫ਼ਥਾਲੀਨਸਫ਼ੋਨਿਕ ਏਸਿਡ, ਸੋਡੀਅਮ ਸਾਲਟ ਕੰਡੇਂਸਡ ਵਿਦ ਫ਼ਾਰਮਲਡੀਹਾਈਡ	:	੦੦.੫੦% ਵ/ਵ
ਕੋਪੋਲਾਈਮਰ ਬਿਊਟਾਨੋਲ ਈਓ/ਪੀਓ	:	੦੧.੫੦% ਵ/ਵ
ਸਿਲੀਕਾ	:	੦੦.੮੦% ਵ/ਵ
ਗਲਾਈਕੋਲ	:	੦੪.੦੦% ਵ/ਵ
ਪੌਲੀਡੀਮੇਥਾਈਲਸੀਲੋਕਸੇਨ	:	੦੦.੫੦% ਵ/ਵ
੧,੨-ਬੇਨਜ਼ੀਸੋਥਾਯਾਜ਼ੋਲ-੩- ਵਨ	:	੦੦.੨੦% ਵ/ਵ
ਪੌਲੀ- ਸੈਕਾਰਾਈਡਜ਼	:	੦੦.੨੦% ਵ/ਵ
ਪਾਣੀ	:	ਕਿਊ.ਐਸ.
ਕੁੱਲ	:	੧੦੦.੦੦% ਵ/ਵ

ਸਿਫ਼ਾਰਿਸ਼ਾਂ:

ਫ਼ਸਲ	ਕੀਟ ਦਾ ਆਮ ਨਾਂ	ਖੁਰਾਕ ਪ੍ਰਤਿ ਹੇਕਟੇਅਰ			ਪਿਛਲੇ ਇਸਤੇਮਾਲ ਤੋਂ ਲੇ ਕੇ ਵਾਢੀ ਤਕ ਦਾ ਉਡੀਕ ਸਮਾਂ (ਦਿਨਾਂ ਵਿੱਚ)
		ਏ.ਆਈ. (ਗ੍ਰਾ.)	ਸੂਤਰੀਕਰਨ (ਮਿਲੀ)	ਪਾਣੀ ਵਿੱਚ ਪਤਲਾਪਣ (ਲੀਟਰ)	
ਕਪਾਹ	ਚਿੱਟੀ ਮੱਖੀ (ਬੇਮੀਸੀਆ ਓਬਾਕੀ), ਪੱਤਾ ਜੂੰ (ਥ੍ਰਿਪਸ ਓਬਾਕੀ), ਤੇਲਾ (ਅਮਰਾਸਕਾ ਬੀਗੂਤੂਲਾ ਬਿੱਟੂਤੂਲਾ) ਅਤੇ ਚੇਪੇ(ਏਫ਼ਿਸ ਗੌਸੀਪੀ)	੨੫੦ + ੫੦ ੩੧੨.੫ + ੬੨.੫	੧੦੦੦ - ੧੨੫੦	੫੦੦	੩੫
ਮਿਰਚਾਂ	ਚਿੱਟੀ ਮੱਖੀ(ਬੇਮੀਸੀਆ ਓਬਾਕੀ),ਪੱਤਾ ਜੂੰ(ਥ੍ਰਿਪਸ ਓਬਾਕੀ),ਮਾਈਟ (ਪੌਲੀਫਾਗੋਟਾਰਸੋਨੇਮਸ ਲੈਟਸ)	੨੫੦+੫੦ - ੫੦+੨੫੦	੭੫੦- ੧੦੦੦	੫੦੦	੧੦

ਵਰਤਣ ਦਾ ਤਰੀਕਾ: ਕੀਟਾਂ ਉੱਤੇ ਪੱਤੀ ਛਿੜਕਾਅ।

ਆਮਤੌਰ 'ਤੇ ਮੌਸਮੀ ਹਾਲਾਤ: ਸਾਫ਼ ਮੌਸਮ ਦੌਰਾਨ ਵਰਤੋ ਅਤੇ ਤੇਜ਼ ਵਗਦੀ ਹਵਾ ਅਤੇ ਮੀਂਹ-ਕਣੀ ਦੇ ਵੇਲੇ ਨਾ ਵਰਤੋ।

ਮਿੱਟੀ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਦਾ ਪ੍ਰਕਾਰ: ਇਹ ਉਤਪਾਦ ਸਭ ਕਿਸਮਾਂ ਦੀ ਮਿੱਟੀ ਅਤੇ ਸਭ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਾਣੀ ਵਿਚ ਮਿਲਾ ਕੇ ਵਰਤ ਸਕਦੇ ਹੋ।

ਫ਼ਸਲ ਅਤੇ ਉਪਯੋਗ: ਕਪਾਹ ਅਤੇ ਮਿਰਚਾਂ ਦੀ ਫ਼ਸਲ ਵਿਚ ਪੱਤੀ ਛਿੜਕਾਅ ਰਾਹੀਂ ਚੂਸਕ ਕੀਟਾਂ 'ਤੇ ਕਾਬੂ ਪਾਉਣ ਲਈ।

ਵਰਤਣ ਲਈ ਫ਼ਸਲ ਦੀ ਅਵਸਥਾ: ਵਨਸਪਤਿਕ/ਅਗੇਤੀ ਪ੍ਰਜਣਨਾਤਮਕ।

ਵਰਤਣ ਦੀ ਤਕਨੀਕ ਅਤੇ ਸਮਾਂ: ਅਗੇਤੇ ਸਵੇਰੇ ਜਾਂ ਸ਼ਾਮੀਂ ਵਗਦੀ ਹਵਾ ਦੇ ਰੁਖ ਵਿਚ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਦਾ ਸਪ੍ਰੇ ਕਰੋ।

ਉਪਕਰਨ ਪ੍ਰਕਾਰ: ਨੈਪਸੈਕ ਸਪ੍ਰੇਅਰ।

ਨੋਜ਼ਲ ਪ੍ਰਕਾਰ: ਹਾਲੋ ਕੋਨ ਨੋਜ਼ਲ।

ਵਰਤਣ ਲਈ ਹਿਦਾਇਤ: ਪਾਈਰੀਪ੍ਰੌਕਸੀਫ਼ੇਨ ੫%+ ਡਾਯਾਫ਼ੇਂਥੀਯੂਰੋਨ ੨੫% ਐਸਈ ਦੇ ਰੈਡੀਮਿਕਸ ਫ਼ਾਰਮੂਲੇਸ਼ਨ ਦੀ ਲੋੜੀਂਦੀ ਮਾਤਰਾ ਪਾਣੀ ਵਿਚ ਮਿਲਾ ਕੇ, ਸੁਝਾਵਾਂ ਵਿਚ ਦੱਸਿਆਂ ਅਨੁਸਾਰ ਦਸਤੀ ਨੈਪਸੈਕ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਨਾਲ ਸਪ੍ਰੇ ਕਰੋ।

ਮਿਲਾਉਣ ਲਈ ਹਿਦਾਇਤ: ਫ਼ਾਰਮੂਲੇਸ਼ਨ ਦੀ ਲੋਜ਼ੀਦੀ ਮਾਤਰਾ ਪਾਣੀ ਵਿਚ ਮਿਲਾਓ ਅਤੇ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਘੋਲ ਕੇ ਫ਼ਸਲ ਉੱਤੇ ਇਕਸਾਰ ਸਪ੍ਰੇ ਕਰੋ।

ਮਕਸਦ: ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਚ ਵਰਤਣ ਲਈ।

ਵਾਪਸੀ ਪ੍ਰਵੇਸ਼ ਦੀ ਮਿਆਦ: ੨੪ ਘੰਟੇ।

ਪੂਰਬ ਕਟਾਈ ਵਕਫ਼ਾ: ਕਪਾਹ ੩੫ ਦਿਨ, ਮਿਰਚਾਂ ੧੦ ਦਿਨ।

ਸਪ੍ਰੇਆਂ ਦੀ ਅਧਿਕਤਮ ਸੰਖਿਆ ਸਮੇਤ ਬਾਰੰਬਾਰਤਾ: ਕੀਟਾਂ ਦੇ ਹਮਲੇ ਦੀ ਤੀਬਰਤਾ ਅਨੁਸਾਰ ੧੫ ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਵਕਫ਼ੇ ਨਾਲ ਦੁਬਾਰਾ ਵਰਤ ਸਕਦੇ ਹੋ।

ਵਨਸਪਤਿਕ ਵਿਸ਼ੈਲਾਪਣ: ਸੁਝਾਈਆਂ ਮਾਤਰਾਵਾਂ ਵਿਚ ਵਰਤਣ ਨਾਲ ਫ਼ਸਲਾਂ ਲਈ ਵਿਸ਼ੈਲਾ ਨਹੀਂ ਹੈ।

ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ: ੧. ਦਵਾ ਨੂੰ ਨਾ ਹੀ ਸੁੰਘੋ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਤਵਚਾ ਅਤੇ ਅੱਖਾਂ ਵਿੱਚ ਲੱਗਣ ਦਿਓ। ੨. ਇਸ ਨੂੰ ਬੱਚਿਆਂ, ਭੋਜਨ ਪਦਾਰਥਾਂ, ਪਸ਼ੂ ਚਾਰੇ, ਗਰਮੀ ਅਤੇ ਅੱਗ ਤੋਂ ਦੂਰ ਰੱਖੋ। ਠੰਢੇ, ਸੁੱਕੇ ਥਾਂ'ਤੇ ਤਾਲਾ ਮਾਰ ਕੇ ਸਟੋਰ ਕਰੋ। ੩. ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਨੂੰ ਨੰਗੇ ਹੱਥਾਂ ਨਾਲ ਨਾ ਮਿਲਾਓ। ੪.ਸਪ੍ਰੇ ਕਰਦੇ ਹੋਇਆਂ ਨਾ ਤਾਂ ਕੁਝ ਖਾਓ, ਪੀਓ, ਚਬਾਓ, ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਧੂਮਰਪਾਨ ਕਰੋ। ੫. ਸਪ੍ਰੇ ਹਮੇਸ਼ਾ ਹਵਾ ਵਗਣ ਦੇ ਪਾਸੇ ਹੀ ਕਰੋ, ਇਸ ਦੇ ਉਲਟੇ ਪਾਸੇ ਨਹੀਂ, ਤਾਂਕਿ ਫੁਹਾਰ ਸਰੀਰ ਉੱਤੇ ਨਾ ਆ ਪਏ। ੬.ਵਰਤੋਂਕਾਰ ਨੂੰ ਬਚਾਅਕਾਰੀ ਸਾਰੇ ਵਸਤਰ ਪਹਿਨਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਜਿਵੇਂ ਰਬੜ ਦੇ ਦਸਤਾਨੇ, ਬੂਟ, ਫ਼ੇਸ ਸ਼ੀਲਡ, ਓਵਰਾਲ ਜਾਂ ਐਪਰਨ ਅਤੇ ਹੁੱਡ ਜਾਂ ਹੈਟ।੭. ਇਸ ਦਵਾ ਨੂੰ ਅਲਟ੍ਰਾ ਲੋ ਵਾਲਿਊਮ ਸਪ੍ਰੇ ਵਜੋਂ ਨਹੀਂ ਵਰਤਣਾ ਚਾਹੀਦਾ।

ਵਿਸ਼ੈਲੇ ਅਸਰ ਦੇ ਲੱਛਣ : ਹਫ਼ੇਵਾਂ, ਸੁਸਤੀ, ਪੀਲੋਈਰੇਕਸ਼ਨ, ਸਿਰਦਰਦ,ਚੱਕਰ, ਘੁਮੇਟਣੀ, ਮਤਲੀ, ਉਲਟੀਆਂ, ਧੁੰਦਲੀ ਨਜ਼ਰ, ਤ੍ਰੇਲੀਆਂ, ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦ ਲਾਰ ਟਪਕਣੀ ਅਤੇ ਅੱਥਰੂ ਵਗਣੇ, ਸਿਰ ਚਕਰਾਉਣਾ,ਕਮਜ਼ੋਰੀ ਈਸੋਫ਼ਾਗਸ ਜਾਂ ਗੈਸਟ੍ਰੋਇੰਟੇਸਟਾਈਨਲ ਟ੍ਰੈਕਟ ਵਿੱਚ ਤਹਲੀਫ਼।

ਫੌਰੀ ਇਲਾਜ: ਜੇ ਨਿਗਲਿਆ ਜਾਵੇ: ਜੇ ਵਿਅਕਤੀ ਹੋਸ਼ ਵਿੱਚ ਅਤੇ ਚੁਕੰਨਾ ਹੋਵੇ, ਤਾਂ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਕੁਰਲੀ ਕਰਵਾ ਦਿਓ ਅਤੇ ੧ ਜਾਂ ੨ ਗਲਾਸ ਪਾਣੀ ਪੀਣ ਲਈ ਦਿਓ। ਬੇਹੋਸ਼ ਵਿਕਤੀ ਨੂੰ ਕਦੇ ਵੀ ਮੂੰਹ ਰਾਹੀਂ ਕੁਝ ਨਾ ਦਿਓ। ਡਾਕਟਰ ਨੂੰ ਬੁਲਾਓ। ਉਦੋਂ ਤਕ ਉਲਟੀ ਨਾ ਕਰਵਾਓ ਜਦੋਂ ਤਕ ਇਲਾਜ ਕਰ ਰਿਹਾ ਡਾਕਟਰ ਨਾ ਚਾਹੇ। ਜੇ ਸਾਹ ਰਾਹੀਂ ਅੰਦਰ ਚਲਾ ਜਾਵੇ: ਮਰੀਜ਼ ਨੂੰ ਤਾਜ਼ੀ ਹਵਾ ਵਿੱਚ ਲੈ ਜਾਓ ਅਤੇ ਉਸ ਦੇ ਤਾਪਮਾਨ ਦਾ ਖਿਆਲ ਰੱਖੋ। ਜੇ ਮਰੀਜ਼ ਨੂੰ ਸਾਹ ਨਹੀਂ ਆ ਰਿਹਾ ਜਾਂ ਸਾਹ ਲੈਣ ਵਿੱਚ ਤਕਲੀਫ਼ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ, ਤਾਂ ਬਣਾਵਟੀ ਸਾਹ ਦਿਓ, ਹੋ ਸਕੇ ਤਾਂ ਮੂੰਹ ਤੋਂ ਮੂੰਹ ਰਾਹੀਂ ਸਾਹ ਦਿਓ। ਡਾਕਟਰ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ। ਚਮੜੀ ਤੇ ਪੈਣ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿੱਚ: ਵਾਲਾਂ ਅਤੇ ਉਂਗਲੀਆਂ ਦੇ ਨੌਹਾਂ ਸਮੇਤ ਸਰੀਰ ਦਾ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਭਾਗ ਸਾਬਣ ਲਾ ਕੇ ਕਾਫੀ ਸਾਰੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਧੋ ਲਓ। ਜੇ ਦਰਦ, ਲਾਲੀ ਜਾਂ ਜਲਣ ਜਾਰੀ ਰਹੇ, ਤਾਂ ਡਾਕਟਰ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ। ਸਾਰੇ ਦੂਸ਼ਿਤ ਕੱਪੜੇ ਵੱਖ ਕਰ ਲੈਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਵਰਤਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਸਾਬਣ ਲਾ ਕੇ ਕਾਫੀ ਸਾਰੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਧੋ ਲੈਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਅੱਖਾਂ ਵਿੱਚ ਪੈਣ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿੱਚ: ਘੱਟੋ-ਘੱਟ ੧੫ ਮਿੰਟਾਂ ਤਕ ਪਿਆਰ ਨਾਲ ਕਾਫੀ ਸਾਰੇ ਪਾਣੀ ਦੇ ਛਿੱਟੇ ਮਾਰੋ। ਜੇ ਦਰਦ, ਜਲਣ, ਲਾਲੀ ਜਾਂ ਧੁੰਦਲਾ ਦਿਸੇ, ਤਾਂ ਅੱਖਾ ਦੇ ਮਾਹਿਰ ਡਾਕਟਰ ਦੀ ਸਲਾਹੁ ਲਓ।

ਵਿਸ਼ ਨਿਵਾਰਕ: ਕਿਸੇ ਨਿਰਧਾਰਿਤ ਵਿਸ਼ਨਿਵਾਰਕ ਦੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਇਲਾਮਤਾਂ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਇਲਾਜ ਕਰੋ।

ਸਟੋਰੇਜ: ੧) ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਦੇ ਪੈਕੇਜ ਦੂਜੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਵਸਤਾਂ ਰੱਖਣ ਵਾਲੇ ਕਮਰੇ ਤੋਂ ਦੂਰ ਕਿਸੇ ਵੱਖਰੇ ਕਮਰੇ/ਸਥਾਨ ਵਿਚ ਜਾਂ ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਦੀ ਕਿਸਮ ਅਤੇ ਮਾਤਰਾ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਅਲੱਗ ਅਲਮਾਰੀ ਅੰਦਰ ਤਾਲਾ ਮਾਰ ਕੇ ਰੱਖੋ। ੨)ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਰੱਖਣ ਵਾਲੇ ਕਮਰੇ/ਸਥਾਨ ਮਜ਼ਬੂਤ ਬਣੇ ਹੋਏ, ਸੁੱਕੇ, ਚੰਗੇ ਰੋਸ਼ਨੀ ਵਾਲੇ, ਹਵਾਦਾਰ ਅਤੇ ਖੁਲ੍ਹੇ ਡੁਲ੍ਹੇ ਸਾਈਜ਼ ਦੇ ਹੋਣ ਤਾਂ ਕਿ ਹਵਾੜ ਨਾਲ ਮਾਹੌਲ ਦਾ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਨਾ ਫ਼ੈਲੇ।

ਖਾਲੀ ਪੈਕੇਜਾਂ, ਵਾਧੂ ਬਚੀ ਦਵਾਈ ਅਤੇ ਧੋਣ ਦੇ ਨਿਕਲੇ ਪਾਣੀ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ:੧)ਇਹ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਦੇ ਨਿਰਮਾਤਾਵਾਂ, ਫ਼ਾਰਮੂਲੇਟਰਾਂ ਅਤੇ ਵਰਤਣ ਵਾਲਿਆਂ ਦਾ ਫ਼ਰਜ਼ ਹੋਏਗਾ ਕਿ ਉਹ ਪੈਕੇਜਾਂ ਜਾਂ ਵਾਧੂ ਬਚੀ ਦਵਾਈ ਅਤੇ ਧੋਣ ਦੇ ਵਗੇ ਪਾਣੀ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ ਏਦਾਂ ਸੁਰੱਖਿਆ ਨਾਲ ਕਰਨ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਕਾਰਨ ਵਾਤਾਵਰਨ ਜਾਂ ਪਾਣੀ ਦਾ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਨਾ ਹੋਵੇ। ੨)ਖਾਲੀ ਹੋਏ ਕੰਟੇਨਰਾਂ ਨੂੰ ਬਾਹਰ ਨਾ ਪਏ ਰਹਿਣ ਦਿਓ ਤਾਂ ਕਿ ਦੁਬਾਰਾ ਨਾ ਵਰਤੇ ਜਾ ਸਕਣ। ੩) ਇਨ੍ਹਾਂ ਕੰਟੇਨਰਾਂ ਪੈਕੇਜਾਂ ਨੂੰ ਤੋੜ ਭੰਨ ਕੇ ਬਸਤੀ ਤੋਂ ਦੂਰ ਜ਼ਮੀਨ ਹੇਠਾਂ ਦਬਾ ਕੇ ਨਸ਼ਟ ਕਰ ਦਿਓ।

ਸਾਵਧਾਨੀ ਦੇ ਬਿਆਨ: ੧. ਲੇਬਲ ਤੇ ਪਰਚੇ ਵਿੱਚ ਨਿਰਧਾਰਿਤ ਮਤਲਬ ਤੋਂ ਬਿਨਾ ਕਿਸੇ ਵੀ ਹੋਰ ਮਤਲਬ ਲਈ ਨਾ ਵਰਤਿਆ ਜਾਏ। ੨. ਖਾਲੀ ਹੋਏ ਕੰਟੇਨਰ ਨੂੰ ਪਰਚੇ ਵਿੱਚ ਦੱਸੇ ਅਨੁਸਾਰ ਨਸ਼ਟ ਕਰ ਦਿਓ। ੩. ਫ਼ਾਰਮੂਲੇਸ਼ਨ ਦੇ ਦੋਵੇਂ ਮਾਲੀਕਿਊਲ ਜਲ ਜੀਵਾਂ ਲਈ ਬਹੁਤ ਹੀ ਵਿਸ਼ੈਲੇ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਜਲ ਭੰਡਾਰਾਂ ਦੇ ਆਸਪਾਸ ਨਹੀਂ ਵਰਤਣਾ ਚਾਹੀਦਾ।

అడోనిక్స్

పైరిప్రోగ్జియుఫెన్ 5% + డైఫెన్‌థియురాన్ 25% ఎస్ఇ

(స్వదేశీయంగా తయారీ కోసమే)

కీటకనాశిని

పైరిప్రోగ్జియుఫెన్ 5% + డైఫెన్‌థియురాన్ 25% ఎస్ఇ అనేది రెండు కీటకనాశినిల కలయిక ఉత్పత్తి. ఇది పత్తి పంటలో అఫిడ్ (అఫిస్ గోస్సిపి), జాసిడ్ (అమరస్కా బిగుటూల బిగుటూల), వైట్‌ఫ్లై (బెమిసియా టబాసి) మరియు థ్రిప్స్ (థ్రిప్స్ టబాసి) నియంత్రణకు మరియు తెల్లదోమ (బెమిసియా టబాసి) మరియు థ్రిప్స్ (థ్రిప్స్ టబాసి) నియంత్రణకు ఉపయోగిస్తారు. మిరప పంటలో పురుగులు (పాలీఫాగోటార్సోనెమస్ లాటస్) ఆకుల పిచికారీగా.

రసాయనిక మిశ్రమము:

పైరిప్రోగ్జియుఫెన్ స.ప.	:	05.00% బ/బ
డయాఫెంథియురాన్ స.ప.	:	25.00% బ/బ
ఎథోగ్జిలేట్ ఆఫ్ ఆక్టయిల్ ఫినాల్	:	10.00% బ/బ
ట్రైస్టైరైల్‌ఫినాల్ ఎథోగ్జిలేట్	:	02.50% బ/బ
పాలీఆరైల్‌ఫినైల్ ఈథర్ సల్ఫేట్ అమ్మోనియం సాల్ట్	:	02.00% బ/బ
ఎథోగ్జిలేటెడ్ ట్రైస్టైరైల్‌ఫినాల్	:	02.00% బ/బ
నాఫ్తాలెనెసల్ఫోనిక్ ఆసిడ్,సోడియం సాల్ట్ కండెన్స్‌డ్ విత్ ఫార్మల్‌డిహైడ్	:	00.50% బ/బ
కోపాలిమార్ బ్యుటానోల్ ఇఓ/పిఓ	:	01.50% బ/బ
సిలికా	:	00.80% బ/బ
గ్లయికోల్	:	04.00% బ/బ
పాలీడైమిథైలిసిలాగ్జేన్	:	00.50% బ/బ
1-2 బెన్‌జిసోథియజోల్-3- వన్	:	00.20% బ/బ
పాలీ సచారిడెస్	:	00.20% బ/బ
నీరు	:	తయారీకిచాలినంత.
మొత్తం	:	100.00 బ/బ.

సిఫారసులు:

పంట	కీటకం మామూలు పేరు	ఒక్కో హెక్టారుకు			ఆఖరి పిచికారి నుంచి పంట కోతకు మధ్య వేచివుండవలసిన సమయం (రోజుల్లో)
		ఎ.ఐ. (గ్రా.)	సూత్రీకరణ (మి.లీ.)	కలపవలసిన నీళ్ళు (లీ.)	
పత్తి	తెల్లదోమ(బెమిసియా టబాసి), ఆకుముడత (థ్రిప్స్ టబాసి), దీపపురుగులు (అమరస్కా బిగుటూల బిగుటూల) మరియు పేనుబంక (ఆఫిస్ గోసిపి)	250 + 50 312.5 + 62.5	1000 1250	500	35
మిరప	తెల్లదోమ (బెమిసియా టబాసి) థ్రిప్స్ (థ్రిప్స్ టాబాసి) పురుగులు (పాలీఫాగోటార్సోనెమస్ లాటస్)	250+50 – 50+250	750– 1000	500	10

వాడే విధానము : తెగులు సోకిన పంట మొక్కల యొక్క ఆకులపై జల్లుట.

సాధారణంగా వుండాల్సిన వాతావరణ పరిస్థితులు : ఏ విధమైన ఒడుదుడుకులు లేని వాతావరణ పరిస్థితులలోనే వాడాలి.అంతేగాక, గాలి బాగా వీస్తున్నప్పుడు మరియు వర్షాలు కురుస్తున్న రోజుల్లో దీన్ని జల్లుకోరాదు.

నేల మరియు నీటి రకాలు : దీన్ని అన్ని రకాల నీళ్ళతో పల్చబర్చుకొని, పంటలు పండించే అన్ని రకాల నేలలలో వాడుకోవచ్చు.

పంట మరియు వాడకము : పత్తి మరియు మిరప పంటలను సర్వనాశనం చేసే రసంపీల్చే పురుగులను సమర్థవంతంగా నియంత్రించుట కోసం పంట మొక్కల ఆకులపై జల్లుట ద్వారా వాడబడుతుంది.

దీని వాడకానికై పంటకుండాల్సిన దశ : మొక్కలు బాగా ఎదిగి గుబురుగానున్నప్పుడు/చిరు పొట్ట వేసినపుడు

వాడుకలో మెళుకువలు మరియు వాడాల్సిన సమయం : ఈ కీటకనాశినిని వాతావరణం చల్లగానుండే ఉదయం లేదా సాయంకాల సమయాలలో, గాలి వాటాన్ని చూసుకొంటూ పిచికారి చేసుకోవాలి.

పిచికారీకి వాడాల్సిన పరికరాలు : న్యాప్‌స్యాక్ స్ప్రేయర్

నాజిల్ రకం : హాలోకోన్ నాజిల్

వాడుటకు సూచనలు : రెడీమిక్ సూత్రీకరణ అయిన పైరిప్రాక్సిఫిన్ 5% + డైఫెన్‌థియురాన్ 25% ఎస్ఇ లను తగినంత పరిమాణంలో తీసుకొని,దానికి సరిపడిన మోతాదులో తీసుకున్న నీటిలో కలిపి ద్రావకం చేసుకున్న పిదప, క్రింద సిఫారసుచేసిన విధంగా హ్యాండ్ ఆపరేటెడ్ న్యాప్‌స్యాక్ స్ప్రేయర్‌తో పిచికారి చేసుకోవాలి.

కలుపుకోడానికి సూచనలు : ముందుగా దీన్ని కలుపుకోడానికి తగిన పరిమాణంలో నీరు తీసుకొని,అందు రెడీమిక్ సూత్రీకరణను వేసి బాగా కలియబెట్టుకున్న తర్వాత పంటపై ఏకరీతిలో పిచికారి చేసుకోవాలి.

వాడేవిధానము మరియు సమయం: చీడపీడలు పట్టిన ఆకులపై జల్లుకోవడం.

ఉద్దేశ్యం : వ్యవసాయ రంగంలో వాడకం కోసమే

తిరిగి జల్లుకోవలసిన సమయం : నాట్లు-వేయబడిన పరి పొలం 24 గంటలు

తిరిగి జల్లుకోవలసిన సమయం : పత్తి 35 రోజులు, మిరప 10 రోజులు

ఎంత తరుచుగా వాడాలి మరియు గరిష్టంగా ఎన్ని తడవలు వాడాలి : ఈ విషయాలు పంట మీద కీటకాలదాడి వరియు వాటి (స్వభావాన్ని బట్టి ఆధారపడివుంటుంది.అవసరమనిపిస్తే,15 రోజుల తర్వాత తిరిగి పిచికారి చేసుకోవాలి.

మొక్కలపై విషప్రభావము: దీన్ని సిఫారసుచేసిన విధంగా వాడినట్లయితే,పంటలపై ఏ మాత్రం విషప్రభావం వుండదు.

ముందుజాగ్రత్తలు: 1) దీన్ని పీల్చకుండా మరియు చర్మానికి అంటకుండా, కళ్ళలోపడకుండా జాగ్రత్త వహించాలి. 2) దీన్ని పిల్లలకు అందకుండానూ, ఆహారపదార్థాలకు, పశువులదాణాకు, వేడిమికి, మంటలకు దూరంగా వుంచాలి. అంతేగాక దీన్ని చల్లని, మరియు పొడిగా నున్న చోట తాళం వేసి నిల్వచేయాలి. 3) కీటకనాశినిని మిశ్రమంగా కలుపుకునేటప్పుడు ఒట్టి చేతులతో కలుపుకోరాదు. 4) పిచికారీ చేసేటప్పుడు ఏదైనా తినడం, త్రాగటం, పొగపీల్చడం, లేదా పొగాకు నమలడం లాంటి పనులు చేయరాదు. 5) దీన్ని జల్లేటప్పుడు గాలి వాటాన్ని బట్టి జల్లుకోవాలి గానీ గాలికి ఎదురుగా జల్లుకోరాదు. దానివలన మందు తుంపర్లు శరీరం మీద పడకుండా కాపాడుకోవచ్చు. 6) దీన్ని జల్లేవారు పూర్తి రక్షణ దుస్తులను ధరించాలి. అంటే: చేతికి రబ్బరు గౌడుగులు, కాళ్ళకు బూట్లు, కళ్ళకు నల్లకళ్ళద్దాలు, ముఖానికి ముసుగు, శరీరానికి గౌను, తలకు టోపీ లాంటివి ధరించాలి. 7) అల్ట్రా లో వాల్యూం స్ప్రే ఉపయోగించరాదు.

విషలక్షణాలు: కుంగిపోవడం, బద్ధకం, పైలోఇరక్షన్, తలనొప్పి, తలతిరగడం, సొర్పునొప్పి, వికారము, చూపు మసకబారడం, చెమటోర్చడం, బాగా ఎక్కువగా కళ్ళవెంబడి నీరుకారడం, అలాగే నోటినుండి సొంగకారడం, కళ్ళుతిరగడం, బలహీనత, మరియు అన్నవాహిక మంట పుట్టడం లాంటివి సంభవించవచ్చు.

ప్రథమచికిత్స: ఒకవేళ మింగినట్లయితే: ఒకవేళ విషపూరితమైన వ్యక్తి స్పృహలోనూ మరియు చురుకుగా వున్నట్లయితే,నీటితో నోరు బాగా పుక్కిలించేలా చేసి 1 లేదా 2 గ్లాసుల నీరు త్రాగించాలి. స్పృహలోలేని వ్యక్తికి నోటిద్వారా ఏదీ ఇవ్వరాదన్న విషయం గుర్తుంచుకోవాలి.డాక్టర్‌గార్ని వెంటనే పిలవాలి. రోగిని పర్యవేక్షించే డాక్టర్‌గారి అనుమతి లేకుండా, రోగిని వాంతి చేయించుటకు ప్రేరేపించరాదు. **ఒకవేళ పీల్చినట్లయితే:** రోగిని వెంటనే ఆరుబయటకు తరలించాలి మరియు తన బాడీ టెంపరేచర్ పెరగకుండా చూస్తూవుండాలి.ఒకవేళ రోగి శ్వాస పీల్చలేని స్థితిలోనున్నా లేదా పీల్చడంలో ఇబ్బందిగావున్నా తనకు కృత్రిమ శ్వాస కల్పించాలి.అందుకోసం తన నోటిలో వేరే వారు నోరుపెట్టి శ్వాస కల్పించాలి.వెంటనే డాక్టర్‌గార్ని సంప్రదించడం మంచిది. **ఒకవేళ చర్మానికి అంటినట్లయితే:** కలుషితమైన శరీరభాగాలనే గాక,జుట్టు మరియు గోళ్ళ క్రింద కూడా సబ్బు వాడుతూ శుభ్రమైన ఎక్కువ నీటితో శుభ్రపర్చుకోవాలి. ఒకవేళ శరీరం ఎర్రబడినా లేదా దద్దుర్లు,దురదలున్నా మరి నొప్పియున్నా డాక్టర్‌గార్ని సంప్రదించాలి.కలుషితమైన బట్టలను వెంటనే తీసివేసి, వాటిని వేరుగా ఉతికించి ,ఆరబెట్టిన పిదపే తిరిగి వాడాలి. **ఒకవేళ కళ్ళలో పడినట్లయితే:** కనీసం 15 నిమిషాల వరకూ కళ్ళలో నీరెక్కువ కొట్టుకుంటూ జాగ్రత్తగా కళ్ళు కడుక్కోవాలి. శుభ్రమైన ఎక్కువ నీటితో శుభ్రపర్చుకోవాలి. ఒకవేళ శరీరం ఎర్రబడినా లేదా దద్దుర్లు,దురదలున్నా , నొప్పియున్నా అలాగే వెలుగుచూసి భయపడటం లాంటి లక్షణాలుంటే వెంటనే కళ్ల డాక్టర్‌గార్ని సంప్రదించాలి.

ఔషధ చికిత్స: ఫలానా విరుగుడు అంటూ ఏమీలేదు. విష లక్షణాలనుబట్టి చికిత్స నివ్వాలి.

నిల్వ : 1. కీటకనాశినిగల ప్యాకేజీలను వాటి యొక్క ఒరిజినల్ ప్యాకెట్లలోనే వుంచి యితర పదార్థాలు నిల్వ చేసే గదులు లేదా ఆవరణాల్లో గాకుండా వాటి యొక్క నైజము మరియు పరిమాణాన్నిబట్టి వేరువేరు అలమారాలలో పెట్టి తాళం వేసి బిగించి మాత్రమే నిల్వ చేయాల్సి వుంది. 2. కీటకనాశినిని నిల్వ చేసే గదులు లేదా ఆవరణలు గట్టి కట్టడముల్లే మంచి గాలీ, వెలుతురు ప్రసరించేలా విశాలంగా వుండి తీరాలి. తద్వారా దీని ఆవిరివలన పరిసరాలు కలుషితం కాకుండా కాపాడుకోవచ్చు.

ఖాళీ ప్యాకెట్లను మిగిలిపోయిన మందు మరియు స్ప్రే పరికరాలు కడుగగా వచ్చిన నీటిని పారవేయు విధానము: 1. ఖాళీ ప్యాకెట్లను, మిగిలిపోయిన మందు మరియు పరికరాలను కడుగగా వచ్చిన నీటిని కడుజాగ్రత్త వహిస్తూ పారవేసుకోవాలి. అందుకుగానూ దీన్ని నిర్మిహించేవారు, తయారు చేయువారు మరియు ఫార్ములేటర్లు బాధ్యత వహించాలి. మరిముఖ్యంగా పరిసరాలు, నీరు, నీటి వనరులు కలుషితం కాకుండా వీరందరూ బాధ్యత వహించాలి. 2. ఖాళీ ప్యాకెట్లను తిరిగి ఏవిధంగానూ వాడరాదు గనుక వాటినెలా బయట వదిలేయరాదు. 3. ఖాళీ ప్యాకెట్లను పగులకొట్టి మనుష్య సంచారానికి దూరంగా పాతిపెట్టాలి.

హెచ్చరిక:1) ఈ ఉత్పాదనను కరపత్రం మరియు లేబుల్‌లో సూచించబడిన పంటలకు మాత్రమే తప్ప, ఇతర పంటలకు మరే ఉద్దేశ్యంతో నైనా వాడరాదు. 2) ఈ కరపత్రంలో ఇవ్వబడిన సూచనలననుసరించి ఖాళీ డబ్బాలను నాశనం చేయాలి. 3) ఈ రెండు మాలిక్యూల్స్, జలచరాలకు అత్యంత విషపూరితమైనవి గనుక, దీన్ని నీరు మరియు నీటి వనరులు గల ప్రదేశాలలోనూ మరియు వాటి పరిసరాలలో వాడకూడదని గుర్తుంచుకోండి.

அடோனிக்ஸ்

பைரிபுரோக்ஸிஃபென் 5% + டியாஃபெந்தியுரன் 25% எஸ்இ

(உள்ளூர் தயாரிப்பிற்கானது)

பூச்சிக்கொல்லி

பைரிபுரோக்ஸிஃபென் 5% + டியாஃபெந்தியுரன் 25% எஸ்இ என்பது இரண்டு பூச்சிக்கொல்லிகளின் கலவையாகும் பருத்திப் பயிரில் வெள்ளை ஈ (பெமிசியா டபசி), பேன் (த்ரிப்ஸ் டபசி), தத்துப்பூச்சி (அம்ரஸ்க பிகுட்டுல பிடுட்டுல) மற்றும் அசுவின (அபிஸ் கோஸ்ஸிபீ), மிளகாய் வெள்ளை ஈ (பெமிசியா டபசி), பேன் (த்ரிப்ஸ் டபசி) உண்ணிகள் (பாலிஃபாகோடார்சோனெமஸ் லாடஸ்) பூச்சிகளைக் கட்டுப்படுத்த இலை தெளிப்பாக வீதம் தெவிக்க வேண்டும்.

இரசாயனச்சேர்க்கை:

பைரிபுரோக்ஸிஃபென் ஏ.ஐ.	:	05.00% எ/எ
டயஃபெந்தியுரன் ஏ.ஐ.	:	25.00% எ/எ
இதோக்ஸைலேட் ஆஃப் ஆக்டைல் ஃபினோல்	:	10.00% எ/எ
டிரைஸ்டைரில்ஃபினோல் எதோக்ஸைலேட்	:	02.50% எ/எ
இதோக்ஸைலேடெட் டிரைஸ்டைரில்ஃபினோல்	:	02.00% எ/எ
நஃப்தாலின்சல்ஃபோனிக் ஆசிட், சோடியம் சால்ட் கண்டென்ஸ்ட் வித்	:	02.00% எ/எ
ஃபார்மல்டிஹைட்	:	00.50% எ/எ
கோபாலிமர் புடனோல் இஓ/பிஓ	:	01.50% எ/எ
சிலிகா	:	00.80% எ/எ
கிளைகோல்	:	4.00% எ/எ
பாலிடிமிதைல்சிலோக்ஸேன்	:	00.50% எ/எ
1,2-பென்ஜிசொதியாஜோல்-3-ஒன்	:	00.20% எ/எ
பாலி சாச்சரைட்ஸ்	:	00.20% எ/எ
வாட்டர்	:	Q.S.
மொத்தம்	:	100.00%எ/எ

பரிந்துரைகள்:

பயிர்	பூச்சியின் பொதுப் பெயர்	ஒரு ஹெக்டேருக்கு அளவு			கடைசித் தெளிப்பில் இருந்து அறுவடை வரை காத்திருப்புக் காலம் (நாட்களில்)
		தீ.மூ. (தி.)	மருந்து (மி.லி.)	கரைக்கும் நீர் அளவு (லிட்டர்)	
பருத்தி	வெள்ளை ஈ (பெமிசியா டபசி), பேன் (த்ரிப்ஸ் டபசி), தத்துப்பூச்சி (அம்ரஸ்க பிகுட்டுல பிடுட்டுல) மற்றும் அசுவினி (அபிஸ் கோஸ்ஸிபீ)	250 + 50 312.5 + 62.5	1000 1250	500	35
மிளகாய்	வெள்ளை ஈ (பெமிசியா டபசி), பேன் (த்ரிப்ஸ் டபசி) உண்ணிகள் (பாலிஃபாகோடார்-சோனெமஸ் லாடஸ்)	250+50 - 50+250	750- 1000	500	10

பயன்படுத்தும் றை: பூச்சிகள் மொய்ப்பு அடிப்படையில் இலைதெளிப்பு செய்ய வேண்டும்.

வானிலை நிலவரம் பொதுவாக: சாதகமான வானிலையின் போது, அதிக காற்றுவீச்சு அல்லது மழை பொழிவு இல்லாத சமயத்தில் தெளிக்க வேண்டும்.

நிலம் மற்றும் நீர் வகை: அனைத்து மண் வகைகளில் மற்றும் அனைத்து விதமான நீரில் கலந்து தெளிக்கலாம்.

பயிர்கள் மற்றும் பயன்பாடு: பருத்தி மற்றும் மிளகாய் பயிர்களில் சாறு உறிஞ்சும் பூச்சிகளைக் கட்டுப்படுத்த இலை தெளிப்பு செய்ய வேண்டும்.

மருந்து தெளிப்பும் பயிர் பருவம்: தழைப் பருவம் / ஆரம்ப இனப்பெருக்கப் பருவம்

தெளிக்கும் றையும் தெளிக்கும் காலம்: காலை அல்லது மாலை நேரத்தில் காற்றடிக்கும் திசையில் மருந்தைத் தெளிக்க வேண்டும்.

கருவி வகை: நாப்சாக் ஸ்பிரேயர்

கூம்பு வகை: வெற்று கூம்பு னை.

பயன்படுத்தும் விதம்: பயன்படுத்தத் தயாராகக் கிடைக்கும் பைரிபுரோக்ஸிஃபென் 5% + டையஃபெந்தியுரோன் 25.0% எஸ்இ மருந்தை போதிய அளவில் எடுத்து தண்ணீரில் கலந்து கரைசலைத் தயாரித்து கைகளால் செயல்படும் நாப்சாக் ஸ்பிரேயரைக் கொண்டு தெளிக்க வேண்டும்.

மருந்து கரைசல் தயாரிக்கும் குறிப்புகள்: போதுமான மருந்தளவை நீரில் நன்றாகக் கலந்து கரைசலைத் தயாரித்து பயிர் மீது ஒரே சீராகத் தெளிக்க வேண்டும்.

நோக்கம்: வேளாண் பயன்பாட்டிற்கு மட்டும்.

மருந்து தெளித்த பிறகு நடமாட்டம்: 24 மணி நேரம்

அறுவடைக்கு ந்தைய இடைவெளி : பருத்தி 35 நாட்கள். மிளகாய் 10 நாட்கள்.

தெளிப்பு எண்ணிக்கை மற்றும் அதிக பட்ச தெளிக்கும் தடவைகள்: பூச்சி மொய்ப்பு அளவுக்கு ஏற்ப 15 நாட்கள் இடைவெளிகளில் மருந்தை மீண்டும் தெளிக்கலாம்.

தாவர நச்சு: பரிந்துரையைப் பின்பற்றும் போது தாவர நச்சு ஏற்படாது.

முன்னெச்சரிக்கைகள்: 1) மருந்துக் காற்றைச் சுவாசிக்கக் கூடாது, மருந்து சருமத்தில் வாயில் படுவதைத் தவிர்க்கவும். 2) குழந்தைகள், உணவுப் பொருள்கள், விலங்கு தீவனங்கள், வெப்பம் மற்றும் அனைக்கப்படாத தீயிலிருந்து விலக்கி வைக்கவும். குளிர்ந்து உலர்ந்திருக்கும் பூட்டு சாவி வசதியுள்ள இடத்தில் சேமித்து வைக்கவும். 3) பூச்சிக்கொல்லி மருந்தை வெறும் கைகளால் கலக்கக் கூடாது. 4) மருந்து தெளிக்கும் போது சாப்பிட, குடிக்க, புகைபிடிக்க அல்லது புகையிலையை மெல்லக் கூடாது. 5) மருந்து தெளிப்பு சருமத்திலும் ஆடைகளிலும் படிவதைத் தடுக்க, காற்றடிக்கும் திசையில் மருந்தைத் தெளிக்கவும். 6) ரப்பர் கையுறைகள், முகமூடி, முழு ஆடை அல்லது ரப்பர் மேலாடை, தொப்பி ஆகிய பாதுகாப்பு ஆடைகளை அணிந்து மருந்தைக் கையாள வேண்டும். 7) இதை மிகக் குறைந்த கொள்ளளவு தெளிப்பாகப் பயன்படுத்தக் கூடாது.

நச்சுபட்ட அறிகுறிகள்: ஆற்றலிழப்பு, சோம்பல், மயிர்க்கூச்செறிதல், தலைவலி, தலைசுற்றல், கிறுகிறுப்பு, குமட்டல், வாந்தி, பார்வை மங்குதல், வியர்வை பெருக்கம், மிக அதிக கண்ணீர் மற்றும் உமிழ்நீர் சுரப்பு, மயக்கம், பலவீனம், தொண்டை மற்றும் உணவுக் குழல் எரிச்சல்

முதலுதவி: விழுங்கியிருந்தால்: நோயாளி சுயநினைவுடன் விழிப்புடன் இருந்தால், வாயைக் கொப்பளிக்கச் செய்து 1 அல்லது 2 கிளாஸ் தண்ணீரைக் குடிக்கச் செய்யுங்கள். சுயநினைவு தவறியிருப்பவர்களுக்கு வாய் வழியாக எதையும் கொடுக்கக் கூடாது. மருத்துவரைக் கூப்பிட வேண்டும். மருத்துவரின் மேற்பார்வை இல்லாமல் நோயாளியை வாந்தி எடுக்கத் தூண்டக் கூடாது. சுவாசித்திருந்தால்: நோயாளியை நல்ல காற்றோட்டமுள்ள இடத்திற்கு அழைத்துச் சென்று, உடல் தட்பவெப்பத்தைக் கவனிக்க வேண்டும். ஒருவேளை நோயாளி சுவாசிக்கவில்லை அல்லது சுவாசிக்க சிரமப்படுகிறார் என்றால், வாயுடன் வாய் வழியாக ஊதி செயற்கை சுவாசமளிக்க வேண்டும். மருத்துவ உதவியைப் பெற வேண்டும். மருந்து சருமத்தில் பட்டிருந்தால்: நன்றாகக் குளிக்க வேண்டும். சோப்பு போட்டு நிறைய தண்ணீர் ஊற்றி குளிக்க வேண்டும். நக இடுக்குகள், அனைத்தை யும் நன்றாகச் சுத்தம் செய்து குளிக்க வேண்டும். வலி, சிவத்தல் அல்லது உறுத்தல் உணர்வுகள் தொடர்ந்திருந்தால், மருத்துவரிடம் சிகிச்சைபெற வேண்டும். மாசுபட்ட ஆடைகளை தனியாக நன்றாக சோப்பு போட்டு துவைத்த பிறகே மறுஉபயோகம் செய்ய வேண்டும். கண்களில் பட்டிருந்தால்: கண்களை நன்றாக அலம்பிக்கொள்ள வேண்டும். தொடர்ந்து 15 நிமிடங்கள் வரை கண்களில் தண்ணீர் ஊற்றி கழுவிக்கொள்ள வேண்டும். வலி, உறுத்தல், சிவத்தல் அல்லது பிரகாசத்தை சகிக்க டியாத நிலைமை இருந்தால், கண் மருத்துவரிடம் சிகிச்சைபெற வேண்டும்.

நச்சு முறிவு: குறிப்பிட்ட நச்சு முறிவு எதுவும் கிடையாது. அறிகுறிகளுக்கேற்ப சிகிச்சையளிக்கவும்.

சேமிப்பிற்கான :1.பூச்சிக்கொல்லி அடங்கிய பேக்கேஜ்களை பிறப் பொருட்களை சேமிக்கும் அறைகளுக்கு அப்பாற்பட்ட அறைகளில் அல்லது தனி அலமாரியில் சேமித்து பூட்டி வைக்கவும். 2.பூச்சிக்கொல்லி யின் சேமிப்பு அறை நன்கு கட்டப்பட்டதாக, உலர்ந்ததாக, காற்றோட்டமுள்ளதாக, களைக்கொல்லியின் ஆவியினால் மாசு ஏற்படுவதை தவிர்க்க போதுமான பரப்பளவு கொண்டதாக இருக்க வேண்டும். உபயோகித்த பேக்கேஜ்கள், எஞ்சிய பொருள்கள் மற்றும் களைக்.

பயன்படுத்திய கொள்கலன்கள், எஞ்சிய மருந்து மற்றும் பூச்சிக்கொல்லி கழுவுநீரை அப்புறப்படுத்துதல்: 1. சுற்றுப்புறச்சூழல் மற்றும் நீர்நிலைகள் மாசுபடுவதைத் தவிர்க்க பேக்கேஜ்கள் அல்லது எஞ்சிய மருந்து மற்றும் எந்தி ரங்கள் மற்றும் தெளிப்பான்களைக் கழுவிய நீர் போன்றவற்றை சுற்றுப்புறச்சூழல் மற்றும் நீர்நிலைகள் மாசு படுவதைத் தவிர்க்க பாதுகாப்பான முறையில் அப்புறப்படுத்தப் படுத்துவது தயாரிப்பாளர்கள், பூசணக்கொல்லி கலப்பவர்கள் மற்றும் தெளிப்பவர்களின் கடமை. 2. பயன்படுத்திய கொள்க லன்களை மீண்டும் பயன்படுத்துவதைத் தடுக்க அவை வெளியில் விட்டுவைக்கப்படக் கூடாது. 3. காலி கொள்கலன்கள் உடைக்கப்பட்டு மனித நடமாட்டம் இல்லாத இடத்தில் புதைக்கப்பட வேண்டும்.

எச்சரிக்கை அறிவிப்பு: 1. இந்த லேபில் மற்றும் கையேட்டில் குறிப்பிட்டிருக்கும் பயிர்களைத் தவிர்த்து வேறு பயிர்கள் மீது தெளிக்கக் கூடாது. 2.கையேட்டிலுள்ள குறிப்புகளைப் பின்பற்றி கொள்கலன்களை அழித்துவிடவும். 3) இந்த தயாரிப்பிலுள்ள மூலப் பொருள்கள் நீர்வாழ் உயிரினங்களுக்கும் மீன்களுக்கும் கொடிய நஞ்சாகும் என்பதால் நீர்நிலை அருகில் பயன்படுத்துவதைத் தவிர்க்க வேண்டும்

ಅಡೋನಿಕ್ಸ್

ಪೈರಿಪ್ರೊಕ್ಸಿಫೆನ್ 5% + ಡಾಯಫೆಂಥಿಯುರಾನ್ 25% ಎಸ್‌ಇ

(ಸ್ವದೇಶಿ ಉತ್ಪಾದನೆಗಾಗಿ)

ಕೀಟನಾಶಕ

ಪೈರಿಪ್ರೊಕ್ಸಿಫೆನ್ 5% + ಡಾಯಫೆಂಥಿಯುರಾನ್ 25% ಎಸ್‌ಇ ಎರಡು ಕೀಟನಾಶಕಗಳ ಸಂಯೋಜನೆಯ ಉತ್ಪನ್ನವಾಗಿದೆ. ಹತ್ತಿ ಬೆಳೆಯಲ್ಲಿ ಗಿಡಹೇನು (ಆ್ಯಫಿಸ್ ಗೊಸಿಪ್ಪೆ), ಜ್ಯಾಸಿಡ್ (ಅಮ್ರಾಸ್ಕಾ ಬಿಗುಟ್ಟುಲಾ ಬಿಟುಟ್ಟುಲಾ) ಬಿಳಿ ನೊಣ (ಬೆಮಿಸಿಯಾ ತಬಾಸಿ), ಥ್ರಿಪ್ ನೊಣ (ಥ್ರಿಪ್ಸ್ ತಬಾಸಿ), ಜ್ಯಾಸಿಡ್ (ಅಮ್ರಾಸ್ಕಾ ಬಿಗುಟ್ಟುಲಾ ಬಿಟುಟ್ಟುಲಾ) ಥ್ರಿಪ್ ನೊಣ(ಥ್ರಿಪ್ಸ್ ಟಬಾಸಿ), ನಿಯಂತ್ರಣಕ್ಕೆ ಬಳಸಲಾಗುತ್ತದೆ., ಮೆಣಸಿನಕಾಯಿ ಬೆಳೆಯಲ್ಲಿ ಹುಳಗಳು (ಪಾಲಿಫಾಗೋಟಾರ್ಸೋನೆಮಸ್ ಲ್ಯಾಟಸ್) ಎಲೆಗಳ ಸಿಂಪಡಣೆಯಾಗಿ.

ರಾಸಾಯನಿಕ ಸಂಯೋಜನೆ:

ಪೈರಿಪ್ರೊಕ್ಸಿಫೆನ್ ಸ. ಘ.	:	05.00% ಡಬ್ಲ್ಯೂ/ಡಬ್ಲ್ಯೂ
ಡಾಯಫೆನ್ ಥಿಯುರಾನ್ ಸ. ಘ.	:	25.00% ಡಬ್ಲ್ಯೂ/ಡಬ್ಲ್ಯೂ
ಇಥಾಕಿಲೇಟ್ ಆಫ್ ಆಕ್ಟೈಲ್ ಫೆನಾಲ್	:	10.00% ಡಬ್ಲ್ಯೂ/ಡಬ್ಲ್ಯೂ
ಟ್ರೈಸ್ಟ್ರೈಲ್‌ಫೆನಾಲ್ ಇಥಾಕಿಲೇಟ್	:	02.50% ಡಬ್ಲ್ಯೂ/ಡಬ್ಲ್ಯೂ
ಪೊಲಿಆರೈಲ್ ಈಥರ್ ಸಲ್ಫೇಟ್ ಅಮೋನಿಯಮ್ ಸಾಲ್ಟ್	:	02.00% ಡಬ್ಲ್ಯೂ/ಡಬ್ಲ್ಯೂ
ಇಥಾಕಿಲೇಟೆಡ್ ಟ್ರೈಸ್ಟ್ರೈಲ್‌ಫೆನಾಲ್	:	02.00% ಡಬ್ಲ್ಯೂ/ಡಬ್ಲ್ಯೂ
ನ್ಯಾಫ್ತಲೀನ್‌ಸಲ್ಫೋನಿಕ್ ಆ್ಯಸಿಡ್, ಸೋಡಿಯಂತಮ್ ಸಾಲ್ಟ್ ಕಂಡೆನ್ಸ್ಡ್ ವಿದ್ ಫೊರ್ಮಾಲ್ಡಿಹೈಡ್	:	00.50% ಡಬ್ಲ್ಯೂ/ಡಬ್ಲ್ಯೂ
ಕೋಪೊಲಿಮರ್ ಬ್ಯೂಟನಾಲ್ ಇಓ/ಪಿಓ	:	01.50% ಡಬ್ಲ್ಯೂ/ಡಬ್ಲ್ಯೂ
ಸಿಲಿಕಾ	:	00.80% ಡಬ್ಲ್ಯೂ/ಡಬ್ಲ್ಯೂ
ಗ್ಲೈಕಾಲ್	:	04.00% ಡಬ್ಲ್ಯೂ/ಡಬ್ಲ್ಯೂ
ಪೊಲಿಡೈಮಿಥೈಲ್ ಸಿಲೋಕ್ಸೇನ್	:	0050% ಡಬ್ಲ್ಯೂ/ಡಬ್ಲ್ಯೂ
1,2-ಬಿಂಜ್ನಿಸೋಥಿಯಾಝೋಲ್-3-ವನ್	:	00.20% ಡಬ್ಲ್ಯೂ/ಡಬ್ಲ್ಯೂ
ಪೊಲಿಸ್ಯಾಕರೈಡ್ಸ್	:	00.20% ಡಬ್ಲ್ಯೂ/ಡಬ್ಲ್ಯೂ
ನೀರು	:	ಕ್ಯೂ.ಎಸ್.
ಒಟ್ಟು	:	100.00% ಡಬ್ಲ್ಯೂ/ಡಬ್ಲ್ಯೂ

ಶಿಫಾರಸುಗಳು:

ಬೆಳೆ	ಕೀಟದ ಸರ್ವಸಾಮಾನ್ಯ ಹೆಸರು	ಡೋಸೇಜ್ ಪ್ರತಿ ಹೆಕ್ಟೇರಿಗೆ			ಕೊನೆಯ ಸ್ಪ್ರೇಯಿಂದ ಕೊಯ್ಲಿನ ವರೆಗೆ ಕಾಯಬೇಕಾದ ಸಮಯ (ದಿನಗಳು)
		ಏ.ಐ. (ಗ್ರಾ.)	ಫಾರ್ಮ್ಯುಲೇಶನ್ (ಮಿಲೀ)	ಎಷ್ಟು ನೀರು ಸೇರಿಸಬೇಕು (ಲೀಟರ್)	
ಹತ್ತಿ	ಬಿಳಿ ನೊಣ (ಬೆಮಿಸಿಯಾ ತಬಾಸಿ), ಥ್ರಿಪ್ ನೊಣ (ಥ್ರಿಪ್ಸ್ ತಬಾಸಿ), ಜ್ಯಾಸಿಡ್ (ಅಮ್ರಾಸ್ಕಾ ಬಿಗುಟ್ಟುಲಾ ಬಿಟುಟ್ಟುಲಾ) ಮತ್ತು ಗಿಡಹೇನು (ಆ್ಯಫಿಸ್ ಗೊಸಿಪ್ಪೆ)	250 + 50 312.5 + 62.5	1000 1250	500	35
ಮೆಣಸಿನ-ಕಾಯಿ	ಬಿಳಿ ನೊಣ (ಬೆಮಿಸಿಯಾ ಟಬಾಸಿ) ಥ್ರಿಪ್ ನೊಣ (ಥ್ರಿಪ್ಸ್ ಟಬಾಸಿ),ಹುಳಗಳು (ಪಾಲಿಫಾಗೋಟಾ-ರ್ಸೋನೆಮಸ್ ಲ್ಯಾಟಸ್)	250+50 – 50+250	750– 1000	500	10

ಪ್ರಯೋಗಿಸುವ ವಿಧಾನ: ಕೀಟಗಳ ಹಾವಳಿ ತೋರಿಬಂದಾಗ ಎಲೆಗಳ ಮೇಲಿಂದ ಸಿಂಪರಣೆ

ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಹವಾಮಾನ ಪರಿಸ್ಥಿತಿ : ಸ್ವಚ್ಛ ಹವಾಮಾನವಿರುವಾಗ ಪ್ರಯೋಗಿಸಿರಿ ಮತ್ತು ವಿಪರೀತ ಗಾಳಿ ಬೀಸುತ್ತಿರುವಾಗ ಮತ್ತು ಮಳೆಯ ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಬಳಸಬೇಡಿ.

ಮಣ್ಣು ಮತ್ತು ನೀರಿನ ಮಾದರಿ : ಇದನ್ನು ಬೆಳೆಯನ್ನು ಬೆಳೆಯುವ ಹೊಲಗಳಲ್ಲಿ ಎಲ್ಲಾ ಪ್ರಕಾರದ ನೀರಿನಲ್ಲಿ ಬೆರೆಸಿ ಎಲ್ಲಾ ಪ್ರಕಾರದ ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ಪ್ರಯೋಗಿಸಬಹುದು.

ಬೆಳೆ ಮತ್ತು ಬಳಕೆ : ಎಲೆಗಳ ಮೇಲಿಂದ ಸಿಂಪರಣೆಯ ರೂಪದಲ್ಲಿ ಹತ್ತಿ ಮತ್ತು ಮೆಣಸಿನಕಾಯಿಯ ರಸ ಹೀರುವ ಕೀಟಗಳ ನಿಯಂತ್ರಣಕ್ಕಾಗಿ.

ಪ್ರಯೋಗಿಸುವ ವಿಧಾನ ಮತ್ತು ಸಮಯ : ಕೀಟನಾಶಕವನ್ನು ಮುಂಜಾವಿನ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಅಥವಾ ಸಂಜೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ, ಗಾಳಿ ಬೀಸುವ ದಿಕ್ಕಿನಲ್ಲಿ ಸಿಂಪರಿಸಬೇಕು.

ಉಪಕರಣದ ಮಾದರಿ: ನ್ಯಾಪ್‌ಸ್ಯಾಕ್ ಸ್ಪ್ರೇಯರ್

ನಾಝುಲ್‌ನ ಮಾದರಿ: ಹೊಲ್ಲೋ ಕೋನ್ ನಾಝುಲ್

ಬಳಕೆಗಾಗಿ ನಿರ್ದೇಶನಗಳು : ಪೈರಿಪ್ರೊಕ್ಸಿಫೆನ್ 5% + ಡಾಯಫೆಂಥಿಯುರೋನ್ 25% ಎಸ್‌ಇ, ಇದರ ಸಿದ್ಧ ಫಾರ್ಮ್ಯುಲೇಶನ್‌ನ್ನು ಅಗತ್ಯವಿರುವ ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ ಪಡೆದುಕೊಂಡು ನೀರಿನೊಂದಿಗೆ ಬೆರೆಸಬೇಕು ಮತ್ತು ಹಸ್ತಚಾಲಿತ ನ್ಯಾಪ್‌ಸ್ಯಾಕ್ ಸ್ಪ್ರೇಯರ್‌ನಿಂದ ಸೂಚಿತ ಶಿಫಾರಸಿನ ಅನುಸಾರ ಸಿಂಪರಿಸಬೇಕು.

ಮಿಶ್ರಣ ತಯಾರಿಸಲು ನಿರ್ದೇಶನಗಳು : ಫಾರ್ಮ್ಯುಲೇಶನ್‌ನ್ನು ಅಗತ್ಯವಿರುವ ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ ಪಡೆದುಕೊಂಡು ನೀರಿನಲ್ಲಿ ಬೆರೆಸಿ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಕದಡಿಸಿರಿ ಮತ್ತು ಬೆಳೆಯ ಮೇಲಿಂದ ಒಂದೇ ಸಮಾನವಾಗಿ ಸಿಂಪರಿಸಿರಿ.

ಉದ್ದೇಶ: ಕೃಷಿಯ ಬಳಕೆಗಾಗಿ.

ಮರು ಪ್ರವೇಶ: 24 ಗಂಟೆಗಳು.

ಕೊಯ್ಲಿನ ಮೊದಲು ಕಾಯುವ ಅವಧಿ: ಹತ್ತಿ 35 ದಿನಗಳು. ಮೆಣಸಿನಕಾಯಿ 10 ದಿನಗಳು.

ಸಿಂಪರಣೆಗಳ ನಡುವಿನ ಕಾಲಾಂತರ ಮತ್ತು ಸಿಂಪರಣೆಗಳ ಸಂಖ್ಯೆ : ಕೀಟದ(ಗಳ) ಹಾವಳಿಯ ತೀವ್ರತೆಯನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿ 15 ದಿನಗಳ ಕಾಲಾಂತರದಲ್ಲಿ ಸಿಂಪರಣೆಯನ್ನು ಪುನರಾವರ್ತಿಸಬೇಕು.

ಸಸ್ಯ ವಿಷಕಾರಿತ್ವ : ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಿರುವ ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ ಬಳಸಿದಾಗ ಸಸ್ಯಗಳಿಗೆ ವಿಷಕಾರಿಯಾಗದು.

ಮುನ್ನೆಚ್ಚರಿಕೆಗಳು : 1) ಶ್ವಾಸದಲ್ಲಿ ಸೇರದಂತೆ ಮತ್ತು ತ್ವಚೆ ಹಾಗೂ ಕಣ್ಣಿನ ಸಂಪರ್ಕಕ್ಕೆ ಬಾರದಂತೆ ಎಚ್ಚರಿಕೆ ವಹಿಸಿರಿ. 2) ಮಕ್ಕಳು, ಆಹಾರ ಪದಾರ್ಥ, ಪಶು ಆಹಾರ, ಬಿಸಿ ಮತ್ತು ಜ್ವಾಲೆಯಿಂದ ದೂರವಿರಿಸಿರಿ. ತಂಪಾದ ಹಾಗೂ ಒಣದಾದ ಜಾಗದಲ್ಲಿ ಶೇಖರಿಸಿಟ್ಟು ಬೀಗ ಹಾಕಿ ಭದ್ರಗೊಳಿಸಿರಿ. 3) ಬರಿಗೈಯಿಂದ ಕೀಟನಾಶಕವನ್ನು ಬೆರೆಸಬೇಡಿರಿ. 4) ಸಿಂಪರಣೆಯ ಸಮಯ ಏನಾದರೂ ತಿನ್ನುವುದು, ಕುಡಿಯುವುದು, ಧೂಮ್ರಪಾನ ಅಥವಾ ಹೊಗೆಸೊಪ್ಪು ಜಗಿಯುವುದು ಸಲ್ಲದು. 5) ಗಾಳಿಯಲ್ಲಿ ಹಾರಿದ ತುಂತುರುಗಳು ಮೈಮೇಲೆ ನೆಲೆಸದಂತೆ ಮಾಡಲು, ಕೀಟನಾಶಕವನ್ನು ಗಾಳಿ ಬೀಸುವ ದಿಕ್ಕಿನಲ್ಲಿ ಸಿಂಪರಿಸಬೇಕಲ್ಲದೆ ಗಾಳಿಗೆ ವಿರುದ್ಧವಾಗಿ ಅಲ್ಲ. 6) ಬಳಕೆದಾರರು ರಬ್ಬರ್ ಗ್ಲೌಸ್ ಮತ್ತು ಬೂಟ್ ಸಹಿತ ಸಂಪೂರ್ಣ ಸಂರಕ್ಷಕ ಉಡುಪು ಧರಿಸಬೇಕು. ಮೈಯನ್ನು ಓವರ್ ಆಲ್ ಅಥವಾ ರಬ್ಬರ್ ಎಪ್ರಾನ್‌ನಿಂದ ಆವರಿಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು. ತಲೆಗೆ ಹೂಡ್ ಅಥವಾ ಹ್ಯಾಟ್ ಧರಿಸಬೇಕು. 7) ಅಲ್ಟ್ರಾ ಲೋವೀ ವಾಲ್ಯೂಮ್ ಸ್ಪ್ರೇ ಆಗಿ ಬಳಸಬೇಡಿರಿ.

ವಿಷ ತಗಲಿದ ಲಕ್ಷಣಗಳು : ಬಳಲಿಕೆ, ಆಲಸ್ಯ, ಪೈಲೋಇರೆಕ್ಷನ್, ತಲೆ ನೋವು, ಕಣ್ಣು ಕತ್ತಲೆ, ಶಿರೋಭ್ರಮಣ, ಪಿತ್ತೋದ್ರೇಕ, ವಾಂತಿ, ದೃಷ್ಟಿ ಮಾಂದ್ಯ, ಬೆವರಿಳಿಯುವುದು, ಅತಿರೇಕ ಜೊಲ್ಲು ಮತ್ತು ಕಣ್ಣೀರು ಸುರಿಯುವಿಕೆ, ತೂಕಡಿಕೆ, ನಿಶ್ಶಕ್ತಿ, ಎಸೊಫಾಗಸ್ ಅಥವಾ ಗ್ಯಾಸ್ಟ್ರೋಇಂಟೆಸ್ಟೈನಲ್ ಟ್ರ್ಯಾಕ್ಟ್‌ನಲ್ಲಿ ಉರಿ.

ಪ್ರಥಮ ಚಿಕಿತ್ಸೆ : ಹೊಟ್ಟೆಯೊಳಗೆ ಸೇರಿಕೊಂಡಲ್ಲಿ : ವ್ಯಕ್ತಿಯು ಪ್ರಜ್ಞೆಯುಳ್ಳ ಸ್ಥಿತಿಯಲ್ಲಿ, ಚುರುಕಾಗಿದ್ದಲ್ಲಿ, ನೀರಿನಲ್ಲಿ ಬಾಯಿ ಮುಕ್ಕಳಿಸಿ ಬಳಿಕ 1 ಅಥವಾ 2 ಲೋಟ ನೀರು ಕುಡಿಸಿ, ಪ್ರಜ್ಞಾಹೀನನಾಗಿದ್ದಲ್ಲಿ ಬಾಯಿಯ ಮೂಲಕ ಏನನ್ನೂ ಕೊಡಬೇಡಿ. ಡಾಕ್ಟರನ್ನು ಕರೆತರಿಸಿ. ಡಾಕ್ಟರರ ಸಲಹೆ ಇಲ್ಲದೆ ವಾಂತಿ ಮಾಡಲು ಪ್ರೇರೇಪಿಸಬೇಡಿ. **ಉಸಿರಿನ ಮೂಲಕ ಒಳಸೇರಿದಲ್ಲಿ:** ರೋಗಿಯನ್ನು ತಾಜಾ ಹವೆ ಇದ್ದಲ್ಲಿಗೆ ಒಯ್ಯಿರಿ. ದೇಹದ ತಾಪಮಾನದ ಮೇಲೆ ನಿಗಾ ಇರಿಸಿ. ರೋಗಿಯು ಉಸಿರಾಟ ನಡೆಸದಿದ್ದಲ್ಲಿ ಅಥವಾ ಕಷ್ಟದಿಂದ ಉಸಿರು ಬಿಡುತ್ತಿದ್ದಲ್ಲಿ, ಕೃತಕ ಉಸಿರಾಟವನ್ನು ಕೊಡಿರಿ. ಬಾಯಿಯಿಂದ ಬಯಿಗೆ ಉಸಿರಾಟ ನೀಡುವುದು ಉತ್ತಮ. ಡಾಕ್ಟರರ ಸಲಹೆ ಪಡೆಯಿರಿ. **ಚರ್ಮಕ್ಕೆ ತಗುಲಿದಲ್ಲಿ:** ಔಷಧ ತಗುಲಿದ ದೇಹದ ಭಾಗವನ್ನು ಸಾಬೂನು ಮತ್ತು ಹೇರಳನೀರು ಬಳಸಿ ಸ್ವಚ್ಛವಾಗಿ ತೊಳೆಯಿರಿ. ಕೂದಲು ಮತ್ತು ಉಗುರುಗಳನ್ನು ತೊಳೆಯಿರಿ. ನೋವು, ಕೆಂಪಾಗುವಿಕೆ ಉರಿ ವಾಸಿಯಾಗದಿದ್ದಲ್ಲಿ ಡಾಕ್ಟರರ ಸಲಹೆ ಪಡೆಯಿರಿ. ಕಲುಷಿತಗೊಂಡ ಎಲ್ಲ ಬಟ್ಟೆ ಬರೆಗಳನ್ನು ಪ್ರತ್ಯೇಕಿಸಿ, ಪುನಃ ಉಪಯೋಗಿಸುವ ಮೊದಲು ಸಾಬೂನು ಮತ್ತು ನೀರಿನಿಂದ ಪ್ರತ್ಯೇಕವಾಗಿ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಒಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ. **ಕಣ್ಣುಗಳಿಗೆ ಸಂಪರ್ಕವಾದಲ್ಲಿ:** ಕನಿಷ್ಠ 15 ನಿಮಿಷಗಳ ವರೆಗೆ ಸಾವಧಾನದಿಂದ ಕಣ್ಣನ್ನು ನೀರಿನಿಂದ ತೊಳೆದುಕೊಳ್ಳಿ. ನೋವು, ಕೆಂಗಣ್ಣು, ಉರಿ ಅಥವಾ ಬೆಳಕು ನೋಡಲು ಆಗದ ಸ್ಥಿತಿ ಮುಂದುವರಿದಲ್ಲಿ ನೇತ್ರತಜ್ಞರ ಸಲಹೆ ಪಡೆಯಿರಿ.

ಪ್ರತ್ಯೌಷಧ: ಯಾವುದೇ ನಿರ್ದಿಷ್ಟ ಪ್ರತ್ಯೌಷಧ ಇಲ್ಲ. ಲಕ್ಷಣಾನುಸಾರ ಚಿಕಿತ್ಸೆ ನಡೆಸಿ.

ಶೇಖರಣೆ: ಕೀಟನಾಶಕಗಳ ಪ್ಯಾಕೇಜುಗಳನ್ನು ಪ್ರತ್ಯೇಕ ಕೋಣೆ ಅಥವಾ ಕೊಠಡಿಗಳಲ್ಲಿ, ಇತರ ಸಾಮಗ್ರಿಗಳನ್ನು ಸಂಗ್ರಹಿಸುವ ಕೋಣೆ ಅಥವಾ ಕೊಠಡಿಗಳಿಂದ ದೂರವಾಗಿ ಶೇಖರಿಸಿಡಬೇಕು. ಇಲ್ಲವೇ ಕೀಟನಾಶಕದ ಪ್ರಮಾಣ ಮತ್ತು ಸ್ವಭಾವಕ್ಕನುಸಾರವಾಗಿ, ಅಲಮಾರಿನಲ್ಲಿ ಬೀಗ ಹಾಕಿ ಭದ್ರಪಡಿಸಿ ಇಡಬೇಕು. ಕೀಟನಾಶಕವನ್ನು ಶೇಖರಿಸುವ ಕೋಣೆ ಅಥವಾ ಕಟ್ಟಡ ಚೆನ್ನಾಗಿ ನಿರ್ಮಿತವಾಗಿದ್ದು ಅಲ್ಲಿ ಒಳ್ಳೆಯ ಬೆಳಕು ಗಾಳಿ ಸಂಚಾರ ಇರಬೇಕಲ್ಲದೆ ಅದು ಶುಷ್ಕವಾಗಿರಬೇಕು. ಹಬೆಯಿಂದ ವಾತಾವರಣ ಮಲಿನಗೊಳ್ಳದಂತಾಗಲು ಅದು ಸಾಕಷ್ಟು ವಿಶಾಲವಾಗಿರಬೇಕು.

ಉಪಯೋಗಿಸಿದ ಪ್ಯಾಕೇಜುಗಳು, ಹೆಚ್ಚಿನ ವಸುಗಳು ಹಾಗೂ ಕೀಟನಾಶಕದ ತೊಳೆತಗಳ ವಿಸರ್ಜನೆ: 1. ಪ್ಯಾಕೇಜುಗಳು ಅಥವಾ ಹೆಚ್ಚಿನ ವಸುಗಳು ಮತ್ತು ಯಂತ್ರಗಳ ತೊಳೆತಗಳು ಹಾಗೂ ಧಾರಕಗಳನ್ನು ಪರಿಸರ ಅಥವಾ ಜಲಪ್ರದೂಷಣವಾಗದಂತೆ ಸುರಕ್ಷಿತ ರೀತಿಯಲ್ಲಿ ವಿಸರ್ಜಿಸುವುದು ಉತ್ಪಾದಕರ, ಕೀಟನಾಶಕದ ಸಂಯೋಜಕರು ಹಾಗೂ ಉಪಯೋಗಿಸುವವರ ಕರ್ತವ್ಯವಾಗಿದೆ. 2. ಬಳಸಿದ ಪ್ಯಾಕೇಜುಗಳನ್ನು ಮರು ಉಪಯೋಗವಾಗದಂತೆ ಹೊರಗೆ ಇಡಬೇಡಿ. 3. ಪ್ಯಾಕೇಜುಗಳನ್ನು ಮುರಿದು, ಜನವಸತಿಯಿಂದ ದೂರ ಹುಗಿಯಿರಿ.

ಎಚ್ಚರಿಕೆ : 1. ಲೇಬಲ್ ಮತ್ತು ಕರಪತ್ರದಲ್ಲಿ ಉಲ್ಲೇಖಿಸಿರುವುದಕ್ಕಿಂತಲೂ ಬೇರೆ ಉದ್ದೇಶಕ್ಕಾಗಿ ಇದನ್ನು ಬಳಸಬೇಡಿ. 2. ಉತ್ಪನ್ನದ ಡಬ್ಬಿಯನ್ನು ಬಳಸಿದ ನಂತರ ಅದನ್ನು ಈ ಕರಪತ್ರದಲ್ಲಿ ನಿರ್ದೇಶಿಸಲಾಗಿರುವ ರೀತಿಯಲ್ಲಿ ನಾಶಪಡಿಸಬೇಕು. 3) ಎರಡೂ ಮೊಲಿಕ್ಯೂಲ್‌ಗಳು ಜಲಚರ ಜೀವಿಗಳಿಗೆ ವಿಷಕಾರಿಯಾಗಿರುವುದರಿಂದ ಇದನ್ನು ನೀರಿನ ಸೆಲೆ ಇರುವಲ್ಲಿ ಬಳಸಬಾರದು.

اڈونکس

پائیریپراکسیفین 5%+ ڈائیافینتھیوران 25% ایس ای

(برائے مقامی مینوفیکچر)

کیڑے مار دوائی

پائیریپراکسیفین 5%+ ڈائیافینتھیوران 25%ایس ای ایک مجموعی پروڈکٹ ہے دو کیڑے مار دوائیوں کا۔ یہ روئی کے فصل میں ایپھڑ(ایپھس گوسیپیی)، جیسڈ(امراسکا بائگوٹولا بائیگوٹولا)، وائٹفلائی (بیمیشیاٹیچیشی) اور تھرپس (تھرپس ٹیبیشی) کو قابو کرنے کے لئے اور مرچی کے فصل میں وائٹفلائی (بیمیشیاٹیچیشی) اور تھرپس(تھرپس ٹیبیشی)، مائٹس (پالی فیگوٹارسونیمس لیٹس) کو قابو کرنے کے لئے استعمال کیا جاتا ہے برگی سپرے کے طور پر۔

کیمائی ترکیب:

پائیریپراکسیفین اے آئی	05.00%وزن/وزن
ڈائیافینتھیوران اے آئی	25.00 %وزن/وزن
تھوکزائیلیٹ آف اکٹائل فینال	10.00 %وزن/وزن
ترائیسٹرائیفینال اتھوکسیلیٹ	02.50%وزن/وزن
پالیاراٹلفینائیل ایتھائل سلفیٹ امونیم سالٹ	02.00%وزن/وزن
اتھوکسیلیٹڈ ٹرائسٹرائفینائل	02.00%وزن/وزن
نیپھتھلین سلفونک ایسڈ، سوڈیم سالٹ فارملڈیہائڈ کے ساتھ کنڈنس کیا ہوا	00.50%وزن/وزن
کوپالیمر بیوٹینال ای او/پی او	01.50%وزن/وزن
سلیکا	00.80%وزن/وزن
گلائکال	04.00%وزن/وزن
پالیڈائمیتھائل سیلوکزین	00.50%وزن/وزن
1،2بینزیسوتھیازول-3-ایک	00.20%وزن/وزن
پالی سیکرائڈس	00.20 %وزن/وزن
پانی	مقدار برابر%وزن/وزن
کل	100.00%وزن/وزن

سفارشات:

فصل	کیڑے کا عام نام	اے آئی (گرام)	فارمولیشن (ملی)	محلول کا پانی (لیٹر)	آخری چھڑکاؤ اور کٹائی میں انتظار (دن)
روائی	ایپھڑ (ایپھس گوسیپیی) جیسڈ (امراسکا با نگوٹولا بائیگوٹولا) وائٹفلائی (بیمیشیا ٹیبیشی)اور تھرپس (تھرپس ٹیبیشی)	50+250- 62.5+ 312.5	1000 to 1250	500	35
مرچی	وائٹفلائی (بیمیشیا ٹیبیشی) تھرپس (ترپس ٹیبیشی) ، مائٹس (پالیفیگو تار سونیمس لیٹس)	37.5+ 187.5 50+250	750- 1000	500	10

طریقہ استعمال: برگی سپرے کیڑے کی نموداری پر

عام موسمی حالات: صاف موسمی حالات میں استعمال کریں اور تیز آندھی اور بارش میں ٹال دیں۔

مٹی اور پانی کی قسم: تمام قسم کی مٹی میں جہاں فصل اگائے جاتے ہیں تمام قسم کے پانی میں۔

فصل اور استعمال: روائی کے چوسنے والے کیڑوں کو قابو کرنے

فصل اور استعمال: روائی کے چوسنے والے کیڑوں کو قابو کرنے کے لئے بطور برگی سپرے استعمال کریں۔

استعمال کے لئے فصل کا مرحلہ: فصل کا برگی مرحلہ اور ابتدائی تولیدی مرحلہ۔

ایپلیکشن ٹیکنیک اور وقت: ہوا کے رخ میں سپرے کریں صبح سویرے یا شام کے وقت۔

قسم سامان: کھوکھلی قسم نوزل

استعمال بدایات: تیار شدہ فارمولیشن پائیریپراکسیفین 5%+ڈائیافینتھیوران 25% ایس سی پانی میں ملانا اور سپرے کرنا ہاتھ سے چلنے والا نیپسیک سپریئر جیسے کہ سفارش کیا گیا ہے۔

ملانے کے ہدایات: فارمولیشن کیمطلوبہ مقدار پانی میں ملائے، اچھی طرح ہلائے اور یکساں طور سپرے کیجئے۔

مقصد: برائے ذرعی استعمال

دوبارہ داخلی وقت: 24 گھنٹے

فصل کاٹنے سے قبل وقفہ: روئی: 35 دن، مرچی - 10 دن

تعدد بشمول زیادہ سے زیادہ سپرے: اس کا دارومدار کیڑے پر ہے۔ دوبارہ استعمال 15 دن کے وقفے سے کیا جاسکتا ہے۔

پودوں کے لئے زہریلا پن: سفارش مقدار میں استعمال کرنے سے پودوں پر زہریلا اثر نہیں کرتی۔

بچاؤ تدابیر: 1- سانس میں جانے سے اور جلد اور آنکھوں سے لگنے سے پرہیز کریں۔ 2)بچوں سے، اشیائے خوردنی سے، حیوانی خوراک سے، گرمی اور لو سے دور رکھیں۔ خشک اور سرد جگہ پر زخیرہ کریں مقفل کرکے۔ 3) ننگے ہاتھوں سے کیڑے مار دوائی نہ ملائیں۔ 4) کچھ مت کھائیں، پئیں، تمباکو، یا چبائیں دوران سپرے 5) کیڑے مار دوائی کو ہوا کے رخ کی طرف سپرے کریں نہ کہ مخالف سمت تاکہ جسم پر چھینٹیں نہ پڑیں۔ 6) استعمال کرنے والے کو مکمل طور پر تحفظ دینے والا لباس زیب تن کرنا چاہئے ربر گلوز کے ساتھ، بوٹ۔ چہرے کو ماسک سے ڈھک لینا چاہئے اور جسم کو کلی طور پر ایپرن سے ڈھک لینا چاہئے اور ہیٹ لگانی چاہئے 7) بطور الٹرا لو والیوم سپرے استعمال نہ کریں۔

زہر کے علامات: اونگ آنا،سستی، تھرتھری، سردرد، چکر، اُلٹی محسوس ہونا،بصارت میں فرق، پسینہ، آنسو، لحاب، کمزوری، غذا نالی کی جلن

ابتدائی طبی تدابیر: [illegible]

تریاق: [illegible]

اسٹوریج: [illegible]

استعمال شدہ کنٹینر کو ضائع کرناسامان اور اضافی میٹیریل کو دھونا: [illegible]

دوا کے خالی ڈبوں کا دوبارہ استعمال خطرناک ہوسکتاہے۔

احتیاط: 1-لیبل اور لیف لیٹ میں دیئے گئے مقاصد کے علاوہ کسی بھی کام کیلئے استعمال نہ کریں۔ 2-کنٹیز کو استعمال کے بعد لیف لیٹ میں دیئے گئے طریقے سے ضایع کریں۔ 3) دونوں مالیکیول بہت ہی زہریلے ہیں آبی حیاتیات کے لئے اسلئے اسکا استعمال آبگاہوں میں اور اس پاس نہ کریں۔

THREE SIXTY extreme SOLUTIONS	Client : - GSP Crop Science Pvt.Ltd	Job Name : Adonix DFU_CC_Back
	Size: 275 X 375 mm	Job No: LEF230302
	Date: 07-06-2023 / Rev: 00	Old Job No:
	Colour: ● Black	
	History:	Remark: